जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, शुक्रवार 23 जनवरी, 2026

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

बसन्त पंचमी एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस
की जयन्ती के पावन अवसर पर

1,000 करोड़ रुपए से अधिक की सौगात

700 करोड़ रुपए सामाजिक सुरक्षा पेंशन हस्तांतरण
300 करोड़ रुपए से अधिक के विद्यार्थियों को उपहार

- 3.06 लाख छात्राओं को विभिन्न योजनाओं में 126.81 करोड़ रुपए का हस्तांतरण
- 3.34 लाख छात्राओं को 130 करोड़ रुपए की नि:शुल्क साइकिलों के वितरण का शुभारम्भ
- 4.40 लाख विद्यार्थियों को ट्रांसपोर्ट वाउचर के पेटे 53 करोड़ रुपए का हस्तांतरण

सरस्वती वंदन, युवा संवाद एवं मेगा अभिभावक - शिक्षक बैठक

75 लाख विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदना

मुख्य अतिथि
श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

23 जनवरी, 2026 | प्रात: 11:00 बजे | विश्वविद्यालय कॉमर्स कॉलेज, जयपुर

1 लाख से अधिक सरकारी पदों पर नियुक्तियां

युवाओं को दी सौगात

1 लाख सरकारी पदों की भर्ती परीक्षा का कैलेण्डर

युवा नीति – 2026

- शिक्षा और कौशल विकास से युवाओं के लिए नए क्षेत्रों में अवसर
- स्थानीय शासन और निर्णय प्रक्रिया में युवाओं की भागीदारी
- खेलों के विस्तार, लैंगिक हिंसा की रोकथाम एवं युवा कलाकारों का संवर्धन
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार और बुनियादी अधिकारों तक युवाओं की पहुंच

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना – 2026

- छोटे उद्योग, सेवा आधारित स्टार्टअप या व्यापार की सुविधा
- 1 लाख युवाओं को 10 लाख रुपए तक का ब्याज मुक्त ऋण
- 8वीं से 12वीं पास युवा को सेवा व व्यापार में 3.50 लाख रुपए एवं विनिर्माण क्षेत्र में 7.50 लाख रुपए तक का ऋण
- स्नातक, आई.टी.आई. एवं अधिक योग्यताधारक युवा को सेवा एवं व्यापार क्षेत्र के लिए 5 लाख रुपए एवं विनिर्माण के लिए 10 लाख रुपए तक का ऋण

रोजगार नीति – 2026

- मार्च 2029 तक 15 लाख रोजगार के अवसर
- एआई आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म का निर्माण
- सूक्ष्म उद्यम शुरू करने पर ब्याज मुक्त ऋण
- राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय रोजगार अवसरों की उपलब्धता हेतु ई-जॉब फेयर

राजस्थान संवाद

शिक्षा विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

काम, क्रोध, मद, लोभ सब, नाथ नरक के पंथ। -तुलसीदास

राजस्थान की लुप्त होती लोक कलाएं एवं सरकार द्वारा संरक्षण हेतु उपाय

राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में लोककलाएं इसका अभिन्न अंग हैं, जो पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं का जीवंत प्रतिबिंब हैं। कठपुतली, मांडणा, कावड़ चित्रकला जैसी ये कलाएं आधुनिकता की दौड़ में लुप्त होती जा रही हैं। युवा पीढ़ी डिजिटल मनोरंजन की ओर आकर्षित हो रही है, जिससे ये अमूल्य धरोहरें खतरे में पड़ गई हैं। राज्य सरकार इनकी रक्षा के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है, ताकि ये कलाएं जीवंत बनी रहें। राजस्थान का रेगिस्तानी भूभाग और राजपूताना गौरव हमेशा से कला का केंद्र रहा है। यहां की लोककलाएं न केवल मनोरंजन का साधन थीं, बल्कि सामाजिक संदेश, धार्मिक कथाओं और ऐतिहासिक घटनाओं को जीवंत करने का माध्यम भी रहीं।

कठपुतली कला इसका प्रमुख उदाहरण है, जो राजा-महाराजाओं के काल में दरबारों में प्रस्तुत होती थी। लकड़ी, कपड़े और धागों से बनी ये कठपुतलियां रामायण-महाभारत की कथाएं सुनातीं, लोकगीत गातीं और नैतिक शिक्षा देतीं। जयपुर, उदयपुर और जोधपुर के पर्यटन स्थलों पर आज भी ये दिखाई देती हैं, लेकिन कलाकारों की घटती संख्या चिंता का विषय है। स्थानीय स्तर पर मोबाइल और सोशल मीडिया ने इनका स्थान ले लिया है, जिससे पारंपरिक प्रदर्शन कम हो गए हैं। कठपुतली कलाकार विकास भाट जैसे शिल्पकार बताते हैं कि परिवार चलाना मुश्किल हो गया है, क्योंकि आयोजन सीमित हैं। ये कलाकार अब पर्यटन पर निर्भर हैं, जो मौसमी होने के कारण अनिश्चित है।

मांडणा कला राजस्थान की प्राचीन चित्रकला है, जो दीवारों और फर्श पर चावल के आटे, चूने या गेरू से बनाई जाती है। त्योहारों जैसे दीपावली, होली और विवाहों पर महिलाएं घरों को सजाने के लिए पगल्या, थाम या चैकड़ी जैसे मांडणे बनातीं। ये ज्यामितीय आकृतियां और फूल-पत्तियों के चित्र समृद्धि और मंगल की प्रतीक हैं।आधुनिकता की चमक में प्लास्टिक सजावट ने इसे पीछे धकेल दिया। नई पीढ़ी इन्हें सीखने से कतरा रही है, क्योंकि स्कूलों में आधुनिक विषयों पर जोर है। ग्रामीण महिलाओं में भी यह कौशल लुप्त हो रहा है, क्योंकि वे अब बाहर काम करने लगी हैं।

कावड़ चित्रकला चित्तौड़गढ़ के बस्सी गांव की खासियत है, जहां मांगीलाल मिस्त्री जैसे कारीगर पीढ़ियों से इसे संरक्षित कर रहे हैं। यह लकड़ी का मंदिरनुमा बॉक्स है, जिसमें कई कपाट होते हैं। प्रत्येक कपाट पर रामकथा या अन्य लोककथाओं के चित्र उकेरे जाते हैं, जो कथा वाचन के दौरान धीरे-धीरे खुलते हैं। पर्यटक इनकी ओर आकर्षित होते हैं, लेकिन सस्ते मशीनी उत्पादों ने हस्तशिल्प की मांग घटा दी है। इसी प्रकार फड़ चित्रकला, जो कपड़े पर लोक देवताओं के चित्र बनाकर गाई जाती है, भी विलुप्ति के कगार पर है। ये चित्र भोपा समुदाय द्वारा प्रस्तुत किए जाते हैं, जो पाबूजी या तेजाजी की कथाएं सुनाते हैं। लेकिन रिकॉर्डिंग और टीवी ने इन जीवंत प्रदर्शनों को प्रभावित किया है।

सरकार ने इन कलाओं के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए हैं। राजस्थान सरकार की कला एवं हस्तशिल्प विभाग के तहत राजस्थान ललित कला अकादमी और राजस्थान संगीत नाटक अकादमी सक्रिय हैं। ये हस्तशिल्प मेलों, प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं का आयोजन करती हैं, जहां कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराया जाता है। कठपुतली कला को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं चल रही हैं, जैसे प्राचीन काल की वीरता गाथाओं को पुनर्जीवित करना

लोकसंगीत और वाद्ययंत्र राजस्थान की आत्मा हैं। पश्चिमी राजस्थान के मांगणियार और लंगा समुदाय अपनी सरंगी, कमायचा और ढोलकी पर लोकगीत गाते हैं, जो उनके इतिहास और भावनाओं को संजोए रखते हैं। ये गीत सूखे, संघर्ष और प्रेम की कहानियां बयां करते हैं। लेकिन शहरीकरण, आधुनिक संगीत और युवाओं का रुझान पॉप-रॉक की ओर होने से ये परंपराएं खतरे में हैं। कई वाद्ययंत्र अब केवल संग्रहालयों में सजावट के लिए बचे हैं। मांगणियार कलाकारों का कहना है कि शादियों और मेलों में अब डीजे पसंद किए जाते हैं, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है।

इन कलाओं के लुप्त होने के कारण बहुआयामी हैं। सबसे बड़ा कारण आर्थिक है कारीगरों को उचित मूल्य नहीं मिलता, बिचौलिए शोषण करते हैं। बाजार में मशीनी नकलें सस्ती उपलब्ध हैं, जो हस्तनिर्मित वस्तुओं की चमक फीकी कर देती हैं। शिक्षा और शहरीकरण ने युवाओं को नौकरियों की ओर मोड़ा, जिससे पारिवारिक परंपराएं टूट रही हैं। पर्यटन पर निर्भरता मौसमी है, और डिजिटल मीडिया ने जीवंत प्रदर्शनों को हाशिए पर धकेल दिया। दस्तावेजीकरण की कमी से ये कलाएं गुमनामी में खो रही हैं। जलवायु परिवर्तन ने भी प्रभाव डाला है, क्योंकि रेगिस्तानी क्षेत्रों में कच्चे माल जैसे प्राकृतिक रंगों की उपलब्धता घट गई है। इसके अलावा, वैश्वीकरण ने विदेशी कलाओं को बढ़ावा दिया, जिससे स्थानीय परंपराएं दब गईं।

सरकार ने इन कलाओं के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाए हैं। राजस्थान सरकार की कला एवं हस्तशिल्प विभाग के तहत राजस्थान ललित कला अकादमी और राजस्थान संगीत नाटक अकादमी सक्रिय हैं। ये हस्तशिल्प मेलों, प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं का आयोजन करती हैं, जहां कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराया जाता है। कठपुतली कला को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं चल रही हैं, जैसे प्राचीन काल की वीरता गाथाओं को पुनर्जीवित करना। उदाहरण के लिए, जयपुर में कठपुतली महोत्सव आयोजित होते हैं, जहां सैकड़ों कलाकार भाग लेते हैं।

एएफसीपी प्रोजेक्ट के तहत एआईआईएस ने पश्चिमी राजस्थान की संगीत परंपराओं का दस्तावेजीकरण किया। युवा संगीतकारों को वरिष्ठ कलाकारों से प्रशिक्षण दिया गया, जिससे छह संगीत शैलियां विलुप्ति से बचीं। केंद्र सरकार का संस्कृति मंत्रालय और कपड़ा मंत्रालय हस्तशिल्प निर्यात को प्रोत्साहित कर रहे हैं। राजस्थान में राजस्थान हस्तशिल्प नीति के अंतर्गत कारीगरों को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और ब्रांडिंग दी जाती है। उदाहरणस्वरूप, ब्लू पॉटरी, बगरू प्रिंट और अजरक जैसे हस्तशिल्पों को जीआई टैग मिला है, जो उनकी पहचान मजबूत करता है। जीआई टैग से निर्यात बढ़ा है, और विदेशी बाजारों में राजस्थानी हस्तशिल्प की मांग दोगुनी हो गई।

सरकार द्वारा संरक्षण के अन्य उपायों में डिजिटल दस्तावेजीकरण प्रमुख है। ऑनलाइन पोर्टल और ऐप्स के माध्यम से कलाओं का वीडियो रिकॉर्डिंग, वर्चुअल प्रदर्शन और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म विकसित किए जा रहे हैं। राजस्थान पर्यटन विभाग ने राजस्थान आर्ट एंड क्राफ्ट ऐप लॉन्च किया, जहां कारीगर अपनी रचनाएं बेच सकते हैं। स्कूलों में पाठ्यक्रम में लोककलाओं को शामिल कर युवाओं को जोड़ा जा रहा है। पर्यटन विभाग होटलों और सर्किटों में कठपुतली शो अनिवार्य कर रहा है। पुरस्कार योजनाएं जैसे राजस्थान गौरव पुरस्कार कलाकारों को सम्मानित करती हैं। करोली जिले जैसे क्षेत्रों में पुरातत्व विभाग स्थानीय कलाओं को संरक्षित करने के लिए केंद्र से हस्तक्षेप मांग रहा है। इसके अलावा, आर्टिसन क्रेडिट कार्ड योजना से कारीगरों को सस्ता ऋण मिल रहा है, जिससे वे उपकरण खरीद पा रहे हैं।

इन प्रयासों से कुछ सफलताएं मिली हैं। कठपुतली अब शिक्षा और जागरूकता अभियानों में प्रयुक्त हो रही है, जैसे पर्यावरण संरक्षण पर नाटक। विदेशी पर्यटक इनकी ओर आकर्षित हैं, जो आय बढ़ा रहे हैं। मांडणा कला को आधुनिक डिजाइन में ढालकर फैशन इंडस्ट्री में जगह मिली है। लेकिन चुनौतियां बरकरार हैं निरंतर फंडिंग, मार्केटिंग और युवा प्रशिक्षण की आवश्यकता है। गैर-सरकारी संगठन जैसे इंटाच भी सहयोग कर रहे हैं, जो ग्रामीण स्तर पर वर्कशॉप चला रहे हैं।

भविष्य में संरक्षण के लिए सुझाव हैं। कारीगरों को डिजाइनरों से जोड़ना जरूरी है, ताकि आधुनिक उत्पाद बनें। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड का उपयोग कर फंडिंग सुनिश्चित करें। इको-टूरिज्म को बढ़ावा दें, जहां पर्यटक गांवों में रहकर कलाओं का अनुभव लें। स्कूल-कॉलेजों में वर्कशॉप अनिवार्य करें, ताकि नई पीढ़ी जुड़े। डिजिटल मार्केटिंग से वैश्विक बाजार खोलें, जैसे यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर लाइव प्रदर्शन। आर्टिसन क्रेडिट कार्ड योजना को विस्तार दें और बीमा सुविधा जोड़ें। स्थानीय बाजारों में हस्तशिल्प स्टॉल अनिवार्य करें। राजस्थान की ये कलाएं केवल सजावट नहीं, बल्कि पहचान हैं। इन्हें बचाना सांस्कृतिक संरक्षण के साथ आर्थिक सशक्तिकरण भी है। यदि ये धरोहरें जीवित रहीं, तो राजस्थान की सांस्कृतिक यात्रा जारी रहेगी।

अविनाश जोशी,
अतिथि संपादक,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार।

वैश्विक भू-राजनीति में भारत की भूमिका

राम शर्मा

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में वैश्विक भू-राजनीति गहरे बदलाव के दौर से गुजर रही है। शीत युद्ध के बाद बनी एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ रही है और उसकी जगह बहुध्रुवीय व्यवस्था आकार ले रही है। अमेरिका, चीन, रूस और यूरोपीय संघ जैसे शक्ति केंद्रों के साथ भारत जैसी उभरती ताकतें भी वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। इस बदलते परिदृश्य में भारत की भूमिका केवल एक क्षेत्रीय शक्ति तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वह अंतरराष्ट्रीय संतुलन और संवाद का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनता जा रहा है। इस पूरी प्रक्रिया में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों का प्रभाव भी भारत की भूमिका को समझने में महत्वपूर्ण संदर्भ प्रदान करता है।

भारत की विदेश नीति की बुनियाद गुटनिरपेक्षता और स्वतंत्र निर्णय क्षमता पर टिकी रही है। आज इसे रणनीतिक स्वायत्तता कहा जाता है। इसका अर्थ है कि भारत किसी एक महाशक्ति के प्रभाव में आए बिना अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप संबंध बनाता है। डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में अमेरिका की विदेश नीति में स्पष्ट रूप से अमेरिका फर्स्ट का दृष्टिकोण देखने को मिला। इस नीति ने वैश्विक संस्थाओं, व्यापार समझौतों और पारंपरिक गठबंधनों को भी प्रभावित किया। ऐसे समय में भारत ने अमेरिका के साथ सहयोग बढ़ाते हुए भी अपनी स्वतंत्रता बनाए रखी, जो उसकी परिपक्व विदेश नीति को दर्शाता है।

वैश्विक भू-राजनीति में भारत की बढ़ती अहमियत का एक बड़ा कारण उसकी आर्थिक और जनसांख्यिकीय ताकत है। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी, विशाल उपभोक्ता बाजार और तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत को वैश्विक निवेश और रणनीतिक साझेदारी के लिए आकर्षक बनाती है। ट्रंप प्रशासन के दौरान अमेरिका ने चीन के खिलाफ कड़े व्यापारिक कदम उठाए और टैरिफ युद्ध को बढ़ावा दिया। इस व्यापारिक टकराव का अप्रत्यक्ष लाभ भारत को मिला, क्योंकि वैश्विक कंपनियों ने चीन के विकल्प के रूप में भारत की ओर भी देखना शुरू किया। हालांकि, ट्रंप की संरक्षणवादी नीतियों ने भारतीय निर्यात पर कुछ दबाव भी डाला, जिससे भारत को अपने आर्थिक हितों के लिए नए रास्ते तलाशने पड़े।

भारत-अमेरिका संबंध ट्रंप काल में एक नए चरण में प्रवेश करते दिखाई दिए। एक ओर ट्रंप भारत की रणनीतिक अहमियत को स्वीकार करते थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी व्यक्तिगत केमिस्ट्री भी अक्सर चर्चा में रही। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ा और बड़े रक्षा समझौते हुए। दूसरी ओर, ट्रंप का सख्त व्यापार रुख, वीजा नीतियों में बदलाव और टैरिफ को लेकर विवाद भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव के बिंदु भी बने। इन विरोधाभासों के बीच भारत ने संतुलन बनाए रखा और यह दिखाया कि वह भावनाओं नहीं, बल्कि हितों के आधार पर संबंध तय करता है।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र की राजनीति में ट्रंप की नीतियों का असर विशेष रूप से देखा गया। चीन के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने के लिए अमेरिका ने हिंद-प्रशांत रणनीति को आगे बढ़ाया, जिसमें भारत की भूमिका केंद्रीय रही। क्वाड जैसे मंचों को सक्रिय करने में ट्रंप प्रशासन की भूमिका रही और भारत ने इसे अपने क्षेत्रीय हितों के अनुकूल पाया। इससे भारत की वैश्विक भूमिका और जिम्मेदारी दोनों बढ़ीं, क्योंकि उसे केवल अपने हित ही नहीं, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के बारे में भी सोचना पड़ा।

चीन के संदर्भ में ट्रंप की नीतियों ने वैश्विक भू-राजनीति को और जटिल बनाया। अमेरिका-चीन टकराव ने दुनिया को नए ध्रुवीकरण की ओर धकेला। भारत ने इस स्थिति में सावधानीपूर्ण रुख अपनाया। उसने अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग बढ़ाया, लेकिन चीन के साथ संवाद के रास्ते भी खुले रखे। सीमा विवाद और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के बावजूद भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह किसी नए शीत युद्ध का हिस्सा नहीं बनना चाहता। यही संतुलन भारत को एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है।

रूस के साथ भारत के संबंधों पर भी ट्रंप युग की वैश्विक राजनीति का असर पड़ा। ट्रंप प्रशासन का रूस के प्रति रुख कई बार विरोधाभासी रहा, लेकिन पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का दबाव भारत पर भी परोक्ष रूप से महसूस किया गया। इसके बावजूद भारत ने रूस के साथ अपने पारंपरिक संबंध बनाए रखे, खासकर रक्षा और ऊर्जा के क्षेत्र में। यह भारत की रणनीतिक स्वायत्तता का स्पष्ट उदाहरण है, जिसने उसे वैश्विक मंच पर एक स्वतंत्र आवाज दी।

वैश्विक दक्षिण में भारत की भूमिका ट्रंप काल के दौरान और अधिक महत्वपूर्ण हो गई। अमेरिका के संरक्षणवादी रुख और वैश्विक संस्थाओं से दूरी बनाने की प्रवृत्ति के कारण विकासशील देशों को नए नेतृत्व की तलाश थी। भारत ने इस खाली जगह को भरने की कोशिश की। विकास सहयोग, तकनीकी सहायता और मानवीय मदद के जरिए भारत ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में अपनी उपस्थिति मजबूत की। बाद के वर्षों में यह भूमिका और अधिक स्पष्ट होकर सामने आई।

भारत की सॉफ्ट पावर भी उसकी वैश्विक भूमिका को मजबूती देती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था, सांस्कृतिक विविधता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा भारत को अन्य देशों से अलग पहचान देती है। ट्रंप के दौर में जब अमेरिका की छवि कई वैश्विक मुद्दों पर विवादास्पद बनी, तब भारत ने संवाद, सहयोग और बहुपक्षीयता पर जोर देकर खुद को एक संतुलित विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया।

हालांकि, भारत के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। पड़ोसी देशों के साथ तनाव, सीमा सुरक्षा, आतंकवाद और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं उसकी विदेश नीति की परीक्षा लेती हैं। इसके साथ ही, घरेलू आर्थिक और सामाजिक मजबूती भी वैश्विक भूमिका की विश्वसनीयता से जुड़ी है। यदि भारत को विश्व मंच पर प्रभावी बने रहना है, तो उसे आंतरिक विकास और समावेशी प्रगति पर निरंतर ध्यान देना होगा।

निष्कर्षत:, वैश्विक भू-राजनीति में भारत की भूमिका आज एक संतुलनकारी और संवादकारी शक्ति की है। डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने जहां दुनिया में अनिश्चितता और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाया, वहीं भारत के लिए अवसर और चुनौतियां दोनों पैदा कीं। भारत ने इन परिस्थितियों में धैर्य, विवेक और रणनीतिक स्वायत्तता के साथ अपनी राह चुनी। आने वाले समय में यदि भारत इसी संतुलित दृष्टिकोण पर आगे बढ़ता है, तो वह न केवल अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करेगा, बल्कि वैश्विक शांति, स्थिरता और सहयोग में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

-राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा"

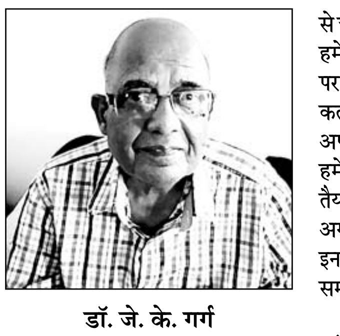

डॉ. जे. के. गर्ग

जन-जन के नायक महान स्वतन्त्रता सेनानी नेता जी कहते थे कि राष्ट्रवाद मानव जाति के उच्चतम आदर्शों सत्यम, शिवम, सुन्दरम से प्रेरित होना चाहिये। उन्होंने हमें अपने जीवन में सदेव आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा दी थी चाहे हमारा सफर कितना ही भयानक, कष्टदायी दुखी और बदतर हो। सुभाष बोस ने हमें संदेश दिया था कि सफलता, हमेशा असफलता के स्तंभ पर खड़ी होती है।जो अपनी ताकत पर भरोसा करते हैं, वो आगे बढ़ते हैं किन्तु उधार की ताकत वाले घायल हो जाते हैं। नेताजी ने बतलाया कि मेरा अनुभव है कि हमेशा आशा की कोई न कोई किरण आती है, जो हमें जीवन से दूर भटकने नहीं देती।

नेताजी बार बार बोलते थे कि अन्याय और अपराध को सहना और गलत के साथ समझौता करना है सबसे बड़े पाप हैं। भारतीयों का कर्तव्य है कि हम अपनी स्वतंत्रता का मोल अपने खून से चुकाएं। एक सैनिक के रूप में आपको हमेशा तीन आदर्शों को संजोना और उन पर जीना होगा ये आदर्श हैं सच्चाई, कर्तव्य और बलिदान। जो सिपाही हमेशा अपने देश के प्रति वफादार रहता है, जो हमेशा अपना जीवन बलिदान करने को तैयार रहता है, वो सिपाही अजेय है। अगर तुम भी अजेय बनना चाहते हो तो इन तीन आदर्शों को अपने ह्रदय में समाहित कर लो।

आजाद हिन्द फौज के प्रणेता क्रांतिकारी जन नायक सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को कटक के निवासी जानकीनाथ बोस प्रभावती के यहाँ हुआ था। सुभाष का मन अंग्रेजों के अधीन काम करने का नहीं था इसलिए उन्होंने से एक साल के भीतर 22 अप्रैल 1921 को त्यागपत्र दे दिया। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ की सलाह के अनुसार भारत वापस आने पर वे सर्वप्रथम बंबई गये और गांधीजी से मिले। वहाँ 20 जुलाई 1921 को गांधी जी और सुभाष के बीच पहली मुलाकात हुई। 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झंडे दिखाये। कोलकाता में सुभाष ने इस आंदोलन का नेतृत्व किया। साइमन कमीशन को जवाब देने के लिये कांग्रेस ने भारत का भावी संविधान बनाने का काम आठ सदस्यीय आयोग को सौंपा। सुभाष बाबू को इस आयोग का सदस्य बनाया गया। 1930 में जब कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में लाहौर में हुआ तब इस अधिवेशन के अन्दर तय किया गया कि भारत में 26 जनवरी का दिन स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जायेगा।

3 मई 1939 को सुभाष ने कांग्रेस के अन्दर ही फॉरवर्ड ब्लाक के नाम से अपनी पार्टी की स्थापना की। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान, अंग्रेज़ों के खिलाफ लड़ने के लिये, उन्होंने जापान के सहयोग से आज़ाद हिन्द फ़ौज का गठन किया था उनके द्वारा दिया गया जय हिन्द का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया है। उन्होंने भारतवासियों को "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हे आजादी दूंगा" का नारा दिया था जो आज भी हमारे मन मस्तिष्क में गूंज रहा है।

21 अक्टूबर 1943 को सुभाष बोस ने आजाद हिन्द फौज के सर्वोच्च सेनापति की हैसियत से स्वतन्त्र भारत की अस्थायी सरकार बनायी जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्छेको और आयरलैंड समेत 11 देशों ने मान्यता दी। जापान ने अंडमान व निकोबार द्वीप इस अस्थायी सरकार को दे दिये। सुभाष उन द्वीपों में गये और उनका नया नामकरण किया। 6 जुलाई 1944 को उन्होंने रंगून रेडियो स्टेशन से महात्मा गांधी के नाम एक प्रसारण जारी किया जिसमें उन्होंने इस निर्णायक युद्ध में विजय के लिये उनका आशीर्वाद और शुभकामनाएँ माँगीं। इस भाषण के दौरान नेताजी ने गांधीजी को राष्ट्रिपता कहा तभी गांधीजी ने भी उन्हे नेताजी कहा, तभी से उन्हें नेताजी कहा जाने लगा। नेताजी ने कहा था कि हमारा कर्तव्य है कि हम अपनी स्वतंत्रता का मोल अपने खून से चुकाएं। हमें अपने बलिदान और परिश्रम से जो आज़ादी मिले, हमारे अन्दर उसकी रक्षा करने की ताकत होनी चाहिए। 23 अगस्त 1945 को टोक्यो रेडियो ने बताया कि सैगोन में नेताजी एक बड़े बमवर्षक विमान से आ रहे थे कि 18 अगस्त को ताइहोकू हवाई अड्डे के पास उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में उनके साथ सवार जापानी जनरल शोदाई, पायलट तथा कुछ अन्य लोग मारे गये। नेताजी गम्भीर रूप से जल गये थे। उन्हें ताइहोकू सैनिक अस्पताल ले जाया गया जहाँ उन्होंने अंतिम श्वास ली और नेताजी पंच महाभूतों में विलीन हो गये। सितम्बर के मध्य में उनकी अस्थियाँ संचित करके जापान की राजधानी टोक्यो के रेंगोंजी मंदिर में रख दी गयी भारतीय महालेखाकार से प्राप्त दस्तावेजों के अनुसार नेताजी की मृत्यु 18 अगस्त 1945 को ताइहोकू के सैनिक अस्पताल में रात्रि ग्यारह बजे हुई थी।

आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद करने के नेताजी का प्रयास हालांकि प्रत्यक्ष रूप में सफल नहीं हो सका था किन्तु उनका दूरगामी परिणाम हुआ। सन् 1946 के नौसेना का विद्रोह इसका जीता जागता प्रमाण है। नौसेना विद्रोह के बाद ही ब्रिटेन को विश्वास हो गया कि अब भारतीय सेना के बल पर भारत में शासन नहीं किया जा सकता और भारत को स्वतंत्र करने के अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा। आजाद हिन्द फौज को छोड़कर विश्व-इतिहास में ऐसा कोई भी दृष्टांत नहीं मिलता जहाँ तीस-पैंतीस हजार युद्धबंदियों ने संगठित होकर अपने देश की आजादी के लिए ऐसा प्रबल संघर्ष छेड़ा हो। सुभाष चंद्र बोस के उनके संघर्षों और देश सेवा के जज्बे के कारण ही महात्मा गांधी ने उन्हें देशभक्तों का देशभक्त कहा था। नेताजी मानते थे कि जिस व्यक्ति के अंदर सनक नहीं होती वो कभी महान नहीं बन सकता। लेकिन उसके अंदर, इसके अलावा भी कुछ और होना चाहिए।

आजाद हिंद सरकार के 75 साल पूर्ण होने पर साल 2018 मे पहली बार किसी प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त के अलावा लाल किले पर तिरंगा फहराया। प्राप्त सूचनाओं के मुताबिक नेताजी के 125 वें जन्मदिवस के उपलक्ष में भारत सरकार 2022 के गणतंत्र दिवस समारोह का शुभारंभ 24 जनवरी के बजाय 23 जनवरी से करने की योजना बना रही है।जन जन के दुलारे नेताजी का जन्मदिन देश में पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। जन जन के दुलारे नेताजी के 23 जनवरी 2025 को राष्ट्र उन के 128वें जन्म दिन पर उनके श्री चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

डॉ. जे. के. गर्ग
पूर्व संयुक्त निदेशक कॉलेज शिक्षा जयपुर।

डीडवाना : मर्यादा महोत्सव में मोहन भागवत ने शिरकत की

आचार्य श्री महाश्रमण ने सत्य की खोज, अहिंसा और करुणा के महत्व पर जोर दिया

डीडवाना, (निसं)। कुचामन जिले के छोटी खाटू में जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के 162वें मर्यादा महोत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और जैन धर्म गुरु आचार्य श्रीमहाश्रमण विशेष रूप से उपस्थित रहे।

डॉ. मोहन भागवत ने आचार्य महाश्रमण के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और मंच से संवाद किया। कार्यक्रम में देशभर से आए श्रद्धालु, तेरापंथ समाज के प्रवासी सदस्य और संघ कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे, जिससे कस्बा धार्मिक और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर नजर आया। आचार्य श्री महाश्रमण ने अपने संबोधन में सत्य की खोज, अहिंसा और करुणा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि संतों की वाणी और ठांथों के संदेश से जीवन की दिशा बदली जा सकती है। उन्होंने कहा कि जब हम सबको अपना मानकर चलते हैं, तभी मर्यादा और अनुशासन जीवन

■ संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मर्यादा, अनुशासन और संतुलन को राष्ट्र प्रगति की नींव बताया

में उतरता है। उन्होंने कहा हमे अहिंसा पर कायम रहना चाहिए ,लेकिन मजबूरी हो जाए तो फिर शस्त्र उठाना भी जरूरी है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मर्यादा, अनुशासन और संतुलन को राष्ट्र प्रगति की नींव बताया। उन्होंने कहा कि लिखित और अलिखित नियमों का पालन और नागरिक अनुशासन मजबूत होगा तो अपराध घटेंगे और व्यवस्था सुदृढ़ बनेगी। उन्होंने कहा कि कई समस्याओं का समाधान केवल कानून से नहीं, बल्कि धर्म और नैतिक मूल्यों से होता है। भागवत ने कहा कि आज दुनिया स्वार्थ की सोच पर चल रही है,

कुचामन जिले के छोटी खाटू में जैन श्वेतांबर तेरापंथ धर्मसंघ के 162वें मर्यादा महोत्सव में स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और जैन धर्म गुरु आचार्य श्रीमहाश्रमण उपस्थित रहे।

लेकिन भारत की परंपरा इससे अलग है। भारत केवल अपने हित की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की चिंता करता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भारत ने बिना स्वार्थ पाकिस्तान की बाढ़, मालदीव और श्रीलंका जैसे देशों की मदद की। कार्यक्रम के बाद डॉ. मोहन भागवत ने संघ कार्यकर्ताओं के एकत्रीकरण में भाग लिया। मंच पर अखिल भारतीय सह प्रचारक प्रमुख अरुण जैन, क्षेत्र कार्यवाह जसवंत खत्री, क्षेत्र प्रचारक निंबाराम सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। अंत में आयोजन समिति की ओर से संघ प्रमुख मोहन भागवत का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

राशिफल

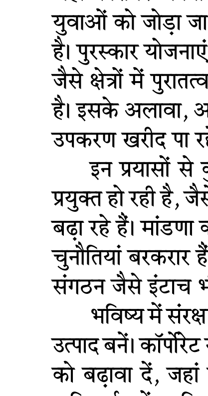

पंडित अनिल शर्मा

राशिफल 23 जनवरी 2026

माघ मास शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम सम्वत 2082, पूर्वाभाद्रप्रद नक्षत्र दिन 2.33 तक, परिद्य योग दिन 3.59 तक, बवकरण दिन 2.07 तक चन्द्रमा प्रात: 8.34 से मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति :- सूर्य-मकर, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरु-मिथुन, शुक्र-मकर, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतू-सिंह राशि में संचार करेगा।

कुमार योग:- सूर्योदय से दिन 2.33 तक है रवियोग दिन 2.33 से आरम्भ होगा। आज बसंत पंचमी, सरस्वती पूजन, पंचमी पाटोत्सव राधा गोविन्द जयपुर है। आज तक्षक पूजा, रतिकाम महोत्सव, पंचक हैं।

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भाग-दौड रहेगी।

वृष
आर्थिक-वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। धार्मिक स्थान की यात्रा सम्भव है।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करे। अटके हुए कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक सम्पर्क बनेंगे।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज बनते कार्य बिगड सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा नहीं है।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में अथितियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य संपन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सम्भव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल आत्मविश्वास बडेगा। आवश्यक ओर महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता सुगमता से बनने लगेंगे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 181 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 23 जनवरी, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रू.

ग्रोथ को लेकर आशावादी है उद्योग जगत

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। केंद्रीय बजट 2026-27 से पहले भारत के उद्योग जगत (इंडिया इंक) का रुख देश की आर्थिक दिशा को लेकर सकारात्मक बना हुआ है। वैश्विक स्तर पर अनिश्चित माहौल के बावजूद, उद्योग जगत के अधिकांश नेताओं ने निरंतर विकास को लेकर भरोसा जताया है। यह भावना फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के प्री-बजट सर्वेक्षण 2026-27 से उभरकर सामने आई है, जिसमें आगामी बजट से पहले, उद्योग की अपेक्षाओं और

- **औद्योगिक संगठन फिक्की के प्री बजट सर्वे में 80 प्रतिशत उद्योगपतियों ने भारत की विकास संभावनाओं पर भरोसा जताया।**

नीतिगत प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया है।

सर्वेक्षण व्यापक स्तर पर आशावाद को दर्शाता है। लगभग 80 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने भारत की विकास संभावनाओं पर भरोसा जताया है। करीब आधे उत्तरदाताओं को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026-27 में सकल घरेलू उत्पाद (ग्रोस डोमेस्टिक प्रोडक्शन-जीडीपी) की वृद्धि दर 7-8 प्रतिशत के दायरे में बनी रहेगी, जो अर्थव्यवस्था की मध्यम अवधि की

(शेष पृष्ठ 5 पर)

ट्रंप की टैरिफ बढ़ाने की धमकियां नाकामयाब रही ग्रीनलैंड प्रकरण में

ट्रंप अपने तमाम नाटकीय उद्घोषों के बावजूद यूरोपीय देशों की एकता को नहीं तोड़ पाए और अन्ततोगत्वा टैरिफ बढ़ाने की धमकी वापस ली

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। कई हफ्तों की तीखी बयानबाजी के बाद, यूरोप के कई देशों पर टैरिफ लगाने की धमकी से राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प हट गए, यह उनके दूसरे कार्यकाल की विदेश नीति में एक अहम मोड़ को दर्शाता है। इसका कारण व्यापारिक अर्थशास्त्र नहीं, बल्कि भू-राजनीति थी: ग्रीनलैंड और आर्कटिक सुरक्षा पर एक जल्दबाज़ी में तैयार किया गया भविष्य के समझौते का ढांचा, जिसे नाटो के महासचिव मार्क रुटे की मध्यस्थता से तैयार किया गया। यह प्रकरण ट्रम्प की दबाव-आधारित कूटनीति की हदों, यूरोप की सामूहिक शक्ति की मजबूती और उनके अन्तर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अंतर्विरोधों को उजागर करता है।

ट्रम्प चाहते हैं कि उनका रुख परिवर्तन रणनीतिक कदम लगें, और यहाँ तक कि वे विजयी लगे। टैरिफ निलंबित कर वे लचीलापन दिखाते हैं, पर ग्रीनलैंड का हवाला देकर वे खुद की

- **ट्रंप अपने प्रथम कार्यकाल से ही यह सनक भरी शिकायत करते रहे हैं कि अमेरिका को नाटो से मिलता ही क्या है, केवल यूरोप की सुरक्षा प्रदान करने का बोझ।**
- **पर, अब ट्रंप को ग्रीनलैंड के मसले पर, नाटो की "शरण" में जाना पड़ा और नाटो के सेक्रेटरी जनरल के माध्यम से एक "फेमवर्क" निकालना पड़ा।**
- **ट्रंप डावोस सम्मेलन में एक घंटे के भाषण से विश्व में अमेरिका के प्रभुत्व को जताना चाहते थे, पर, उनके भाषण में केवल रीति-नीति के विरोधाभासी तर्क ही उजागर हुए।**
- **और अंत में उन्हें मंच से कहना पड़ा, अमेरिका का मकसद सारे प्रकरण में विश्व की सुरक्षा थी, न कि ग्रीनलैंड की खनिज सम्पदा को हड़पना।**
- **इस ग्रीनलैंड प्रकरण ने यह भी उजागर किया, अन्य देशों की एकता व संयम ट्रंप की धमकियों का जवाब देने के लिए पर्याप्त हैं।**

सुरक्षा को लेकर जुनूनी, कठोर यथार्थवादी के रूप में पेश करते हैं। लेकिन घटनाक्रम और समयक्रम कुछ

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'एआई जॉब मार्केट को तेजी से बदल रहा है'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। वाइट कॉलर कर्मचारियों (मैनेजमैंट या बौद्धिक कार्य करने वाले) के लिए एक बड़ा बदलाव आने वाला है। बिल गेट्स का कहना है कि सरकारें इसके लिए तैयार नहीं हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक ने दावोस में आयोजित अर्थशास्त्रियों के सम्मेलन में चेतावनी दी कि आर्टीफिशियल इन्टेलिजेन्स (एआई) अपेक्षा से कहीं तेज़ी से नौकरी-बाज़ार को नया आकार देने जा

- **बिल गेट्स ने दावोस में चेतावनी देते हुए कहा कि यह जरूरत से ज्यादा तेजी से हो रहा है और इसका असर बौद्धिक कार्य वाली नौकरियों पर पड़ेगा।**

रही है, और तैयारी के लिए समय बहुत तेज़ी से कम होता जा रहा है।

बीमारी के इलाज से लेकर शिक्षा तक में एआई की संभावनाओं को स्वीकार करते हुए, गेट्स ने चेताया कि यदि इसे सही ढंग से प्रबंधित (मैनेज्ड) नहीं किया गया, तो कार्यबल, भर्ती के पैटर्न और आर्थिक न्याय पर इसका प्रभाव गंभीर हो सकता है।

उनके अनुसार, इन चुनौतियों की

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मध्य प्रदेश का शहर, धार पुलिस छावनी बना

8,000 पुलिसकर्मी, जिनमें सीआरपीएफ रैपिड एक्शन फोर्स आदि तैनात किये गए

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 22 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के धार शहर में स्थित विवादित भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद परिसर में इस शुक्रवार हिंदुओं और मुसलमानों दोनों को प्रार्थना करने की अनुमति दे दी है।

हिंदू समुदाय को शुक्रवार को पड रहे हिंदू पर्व बसंत पंचमी के अवसर पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक पूजा करने की अनुमति दी गई है, जबकि मुस्लिम समुदाय दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक अपनी शुक्रवार की नमाज़ अदा कर सकेगा।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और विपुल एम. पंचोली की पीठ ने कहा कि नमाज़ के लिए आने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों की एक सूची जिला प्रशासन को दी जानी चाहिए।

पीठ ने दोनों पक्षों से आपसी सम्मान का ध्यान रखने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य व जिला प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील भी की।

अदालत एक हिंदू संगठन "हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस" (एच एफ जे) द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें बसंत पंचमी के दिन हिंदुओं को पूजा का विशेष अधिकार देने की मांग की गई थी।

यह आवेदन 2 जनवरी को एच एफ जे की ओर से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन द्वारा दायर किया गया था और इसे तत्काल सुनवाई के लिए अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। याचिका में कहा गया था कि "भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण" का 2003 का आदेश उन परिस्थितियों को संबोधित नहीं करता, जब बसंत पंचमी शुक्रवार की नमाज़ के साथ पड़ती है।

- **मसला था, भोजशाला, ग्यारहवीं शताब्दी के वाग् देवी (सरस्वती देवी) के मंदिर में हिंदुओं को पूजा-अर्चना करने का न्यायालय द्वारा प्रदत्त अधिकार।**
- **इस स्थल को मुसलमान कमाल मौला की मस्जिद मानते हैं।**
- **न्यायालय द्वारा प्रतिपादित व्यवस्था के अनुसार, हिंदू बसंत पंचमी को प्रातःकाल से सूर्यास्त तक अपनी पूजा-अर्चना कर सकते हैं तथा मुसलमान शुक्रवार के दोपहर एक बजे से तीन बजे तक नमाज़ अदा कर सकते है।**
- **पर, न्यायालय की व्यवस्था में, इस बात का कोई प्रावधान नहीं किया गया कि जब बसंत पंचमी, शुक्रवार को पड़े, जैसा 23 जनवरी को है, तब क्या किया जाए।**
- **प्रशासन पूरी एहतियात बरत रहा है, उन लोगों की लिस्ट मांगी गई है, जो शुक्रवार को वहाँ नमाज़ अदा करने जाना चाहते हैं। पुलिस पैदल और वाहनों में लगातार पैट्रोलिंग कर रही है और सीसीटीवी के मार्फत चौकसी बरत रही है तथा सोशल मीडिया के गतिविधि पर भी निगाह रखे हुए है।**

(शेष पृष्ठ 5 पर)

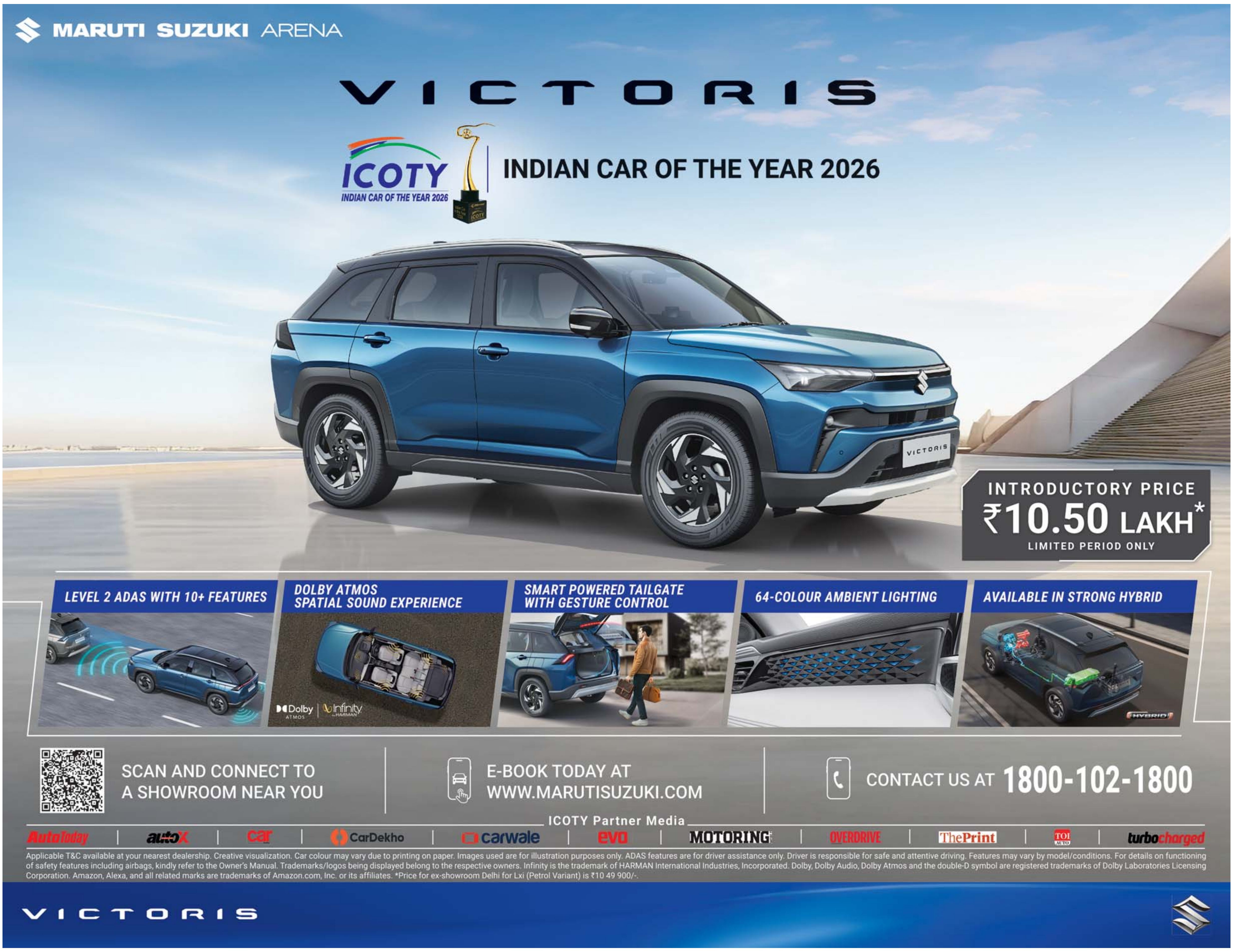

हिण्डौन जेल से दिनदहाड़े छत से कूदकर कैदी फरार हुआ

कैदी ने पेड़ का सहारा लिया और ऊंची दीवार लांघकर बाहर कूद गया

हिण्डौन सिटी, (निसं)। उपकारागृह से गुरुवार सुबह एक ऐसी घटना सामने आई, जिसने जेल की सुरक्षा व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी है। महज दो दिन पहले जेल की सलाखों के पीछे पहुंचे एक विचाराधीन बंदी ने दिनदहाड़े जेल प्रशासन को चकमा दिया और छत के रास्ते कूदकर फरार होने में सफल रहा। इस फरारी के बाद जेल महकमे से लेकर पुलिस प्रशासन तक में हडकंप मच गया है और पूरे इलाके में नाकाबंदी कर कैदी की तलाश शुरू कर दी गई है। घटना सुबह करीब 11 बजे की है, जब जेल परिसर के चौक में रोजमर्रा की तरह सफाई का कार्य चल रहा था।

जानकारी के अनुसार टोडाभीम के काजीपाड़ा निवासी शकील खान, जिसे हाल ही में 20 जनवरी को जुआ-सट्टे के मामले में जेल भेजा गया था, चौक में झाड़ू लगा रहा था। इसी दौरान सुरक्षाकर्मियों की नजर बचाकर शकील खान ने गच्चा दिया और फुर्ती से छत पर जा चढ़ा। वहां से उसने पास ही स्थित एक पेड़ का सहारा लिया और ऊंची दीवार लांघकर बाहर कूद गया। जब तक जेल प्रहरियों को भनक लगती, बंदी उनकी नजरों से ओझल हो चुका था।

- महज दो दिन पहले ही जुआ-सट्टे के मामले में जेल में आया था कैदी
- पुलिस और जेल प्रशासन में हड़कम्प मचा, घटनास्थल का मौका मुआयना किया

मामले की गंभीरता को देखते हुए हिण्डौन सिटी के प्रशासनिक और पुलिस अमले ने मोर्चा संभाल लिया है। सूचना मिलते ही एसडीएम हेमराज गुर्जर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह और डीएसपी मनीष कुमार मीणा तुरंत मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र पाल सिंह ने आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि बंदी शकील खान ने पेड़ के सहारे उतरकर भागने का रास्ता चुना। फिलहाल पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित कर दी गई हैं जो संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। जेल जैसी संवेदनशील जगह से एक बंदी का इस तरह भाग निकलना सुरक्षा पर बड़े सवाल खडे करता है।

प्रशासन अब इस बात की भी जांच कर रहा है कि क्या इस फरारी में बंदी को किसी बाहरी व्यक्ति की मदद मिली थी या फिर यह जेल प्रहरियों की लापरवाही का नतीजा है। फिलहाल पुलिस की प्राथमिकता शकील खान को जल्द से जल्द दोबारा सलाखों के पीछे पहुंचाना है।

अजमेर में संदिग्ध मिलावटी 315 किलो घी जब्त

अजमेर, (कासं)। "शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान" के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा विभाग ने पड़ाव बाजार अजमेर में बड़ी कार्रवाई करते हुए संदिग्ध मिलावटी घी जब्त किया है। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय जयपुर और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अजमेर के निर्देशों की अनुपालना में की गई।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने संत कंवरराम धर्मशाला के पीछे स्थित एक प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया, जहां मेवाड़ ब्रांड का घी पंद्रह किलोग्राम के टिनों में बिक्री के लिए रखा गया था। घी का विक्रय मूल्य बाजार दर से काफी कम पाया गया, जिससे उसमें मिलावट की आशंका हुई। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत नमूने लेकर शेष लगभग तीन सौ पंद्रह किलोग्राम घी को सीज कर दिया गया।

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

ई-निविदा 22/2025-26

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा Lab Equipment for CDFT Jodhpur की खरीद के लिए ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी विस्तृत विवरण एवं जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
UBN No. : JAU2526GLOB00184
EPROC ID: 2026_AGUJD_529563_1
राज.संवाद/सी/25/18240 नियंत्रक (वित्त)

कार्यालय नगर पालिका मण्डल केशवराय पाटन जिला - बून्दी (राज0)
npalika3@gmail.com ph.no. 07438-264346

क्रमांक :– न0पा0के0पा0 / 2025–26 / 4068–70 दिनांक :– 09.01.2026

ई निविदा सूचना संख्या ..../2025–26

नगर पालिका के0पाटन द्वारा कार्यो हेतु पालिका मे पंजीकृत एंव अन्य विभागो में AA,A,B,C, Class श्रेणी के संवेदको से द्विलिफाफा पद्धति/ई–निविदा पद्वति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 15.01.2026 समय प्रातः 10.00 बजें से तथा अपलोड़ करने की दिनांक 30.01.2026 प्रातः 09.00 बजे तक निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

W. No.	UBN NO.	Tender cost
1	DLB2526WSOB30616	46.87 Lacs
2	DLB2526WSOB30617	

राज.संवाद / सी / 25 / 18221 — अध्यक्ष नगर पालिका के0पाटन — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका के0पाटन

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, WATER RESOURCES CIRCLE, JHALAWAR

No.:- S.E./WR./Circle/Jwr/NIT/2025/7129-57 Date:- 13/01/2026

E-NIT No. 02/2025-26

On Behalf of The Governor of Rajasthan, e-tender is invited from interested bidders for the work for Construction of Bitumen Road with VRB for approach to connect Nolai & Nolai ka Kheda under Gagrin MIP Tehsil Pachpahar District Jhalawar" for Completion period of 06 Months (Including Rainy Season) (Estimated Cost Rs. 179,99,919/-) from 16.01.2026 (9:30 AM) to 26.01.2026 (06:00 PM). Other particulars, terms & conditions may be seen on the procurement portal
www.eproc.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in,
http://sppp.rajasthan.gov.in & www.waterresources. rajasthan.gov.in
NIB Code-WRD2526A0622
UBN -WRD2526WSOB0213

Superintending Engineer
Water Resources Circle,
Jhalawar

DIPR/C/842/2026

श्रीगंगानगर : प्राइवेट टांटिया यूनिवर्सिटी की फर्जी वेबसाइट बनाई, आरोपी गिरफ्तार

- पंजाब के सर्वजीत सिंह ने यूनिवर्सिटी की फर्जी वेबसाइट बनाकर छात्रों से ठगी की
- यूनिवर्सिटी प्रशासन का आरोप है कि वेबसाइट बनाने वाले पंजाब के सर्वजीत सिंह ने फर्जी डिग्रियां भी बांटी
- पुलिस का कहना है कि इस गिरोह में कई और लोग शामिल हैं, जिनकी पूछताछ की जा रही है

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहा प्राइवेट टांटिया यूनिवर्सिटी की फर्जी वेबसाइट बनाकर छात्रों से ठगी करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन का आरोप है कि वेबसाइट बनाने वाले पंजाब के सर्वजीत सिंह ने फर्जी डिग्रियां भी बांटी हैं। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने इसकी जांच की थी। गुरुवार को श्रीगंगानगर पुलिस ने पंजाब से सर्वजीत सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से मिले लेपटॉप, मोबाइल व संदिग्ध डेटा भी जब्त किया गया है।

सीओ सिटी विशाल जांगिड़ ने बताया कि पिछले साल 2025 में टांटिया यूनिवर्सिटी प्रशासन ने सदर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि उनकी आधिकारिक वेबसाइट से लगभग एक जैसी फर्जी वेबसाइट बनाई गई है। दोनों साइटों में सिर्फ मामूली स्पेलिंग का अंतर है, जिससे छात्र भ्रमित होकर फर्जी साइट पर चले जाते थे।

फर्जी वेबसाइट पर प्रवेश परीक्षा, एडमिट कार्ड, परीक्षा परिणाम, मार्कशीट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट और अन्य दस्तावेजों की भ्रामक जानकारी डाली जा रही है। आरोपी फर्जी डिप्लोमा और डिग्रियां जारी कर रहे हैं और ऑनलाइन वेरिफिकेशन का झांसा देकर छात्रों से फीस वसूल रहे हैं। इससे यूनिवर्सिटी को आर्थिक नुकसान के साथ-साथ प्रतिष्ठा को भी नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान सर्वजीत सिंह उर्फ जॉनी निवासी मुक्तसर साहिब (पंजाब) के रूप में हुई है। वह इस फर्जी वेबसाइट का संचालन कर रहा था। पुलिस का कहना है कि इस गिरोह में कई और लोग शामिल हैं, जिनकी पूछताछ की जा रही है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया जाएगा।

युवक की हत्या के दो आरोपी गिरफ्तार

- सायबर टीम ने लोकेशन ट्रेस कर पकड़ा, दूसरे राज्य में मजदूरी की आड़ में फरारी काट रहे थे

देशनोक, (निसं)। यहां हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा गंभीर मामलों में वांछित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई है।

जानकारी अनुसार घटना 29-30 नवंबर 2025 की रात की है। देशनोक निवासी अशोक कुमार का अपहरण कर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की थी। गंभीर चोटों के कारण उपचार के दौरान अशोक कुमार की मौत हो गई थी। इस संबंध में देशनोक पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान पता चला कि वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे। वे गिरफ्तारी से बचने के लिए मुंबई, नई दिल्ली, गुड़गांव, पुणे, अहमदाबाद और गांधीनगर सहित कई शहरों में फरारी काट रहे थे। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बीकानेर ने 5-5 हजार का इनाम भी घोषित किया था।

थानाधिकारी, पुलिस थाना देशनोक के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने तकनीकी सहायता और सायबर सेल के सहयोग से लगातार प्रयास करते हुए आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की। अंततः पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों ओमप्रकाश पुत्र केशुराम निवासी पांचू और नरसीराम पुत्र बचनराम उर्फ रतनाराम निवासी लक्ष्मणनगर) को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी कॉर्पोरेट और मजदूरी का काम करने की आड़ में फरारी काट रहे थे। पुलिस ने उनसे गहन पूछताछ शुरू कर दी है और मामले में आगे का अनुसंधान जारी है। इस पूरी कार्रवाई में देशनोक पुलिस थाना टीम और सायबर सेल बीकानेर सहित अन्य पुलिस अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, बीकानेर
स्वास्थ्य भवन, त्यागी वाटिका, जेल वैल, बीकानेर
फोन 0151-2201142, email-eemhbikaner@ymail.com
क्रमांक-EE/M&H/BKN/2025-26/3106 दिनांकः- 8/1/2086

ई- टेण्डरिंग निविदा सूचना संख्याः- 59/2025-26

निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला बीकानेर में कुल रू. 243.13 लाख के 01 कार्य उप जिला अस्पताल पर विधुत कार्य हेतु निविदा में बताये अनुसार श्रेणी के संवेदको के समकक्ष उपर्युक्त विधुत श्रेणी मे सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे / एमईएस इत्यादि मे पंजीकृत संवेदको जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त विधुत श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेबसाईट www.dipronline.org http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN-NRH2526WJ0B02181 — (शिम्भू राम जाटव) अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग बीकानेर
DIPR/C/829/2026

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग विद्युत खण्ड भरतपुर

निविदा सूचना सं. 09/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से मय दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरियड) शर्त सहित सा.नि.वि. विद्युत राजस्थान जयपुर में उपयुक्त विद्युत श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया में ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।
निविदा से संबधित विवरण इन्टरनेट साईट www.pwd.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in पर एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध है।

S.No.	NIB No.	UBN No.
1	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20461
2	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20462
3	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20463
4	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20465
5	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20466
6	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20467
7	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20468
8	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20469
9	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20470
10	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20471
11	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20472
12	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20473
13	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20474
14	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20475
15	PWD2526A5089	PWD2526WSOB20476

अधिशाषी अभियन्ता
सानिवि विद्युत खण्ड
भरतपुर

DIPR/C/789/2026

राजसमन्द में युवक की पीट-पीटकर हत्या

राजसमन्द, (निसं)। जिले के रेलमगरा थाना अन्तर्गत चौकड़ी गांव में गुरुवार दोपहर एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां ट्रक ड्राइवर और ग्रामीणों ने मिलकर कार सवार युवक की बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी। बीच-बचाव में आए उसके एक दोस्त के साथ भी मारपीट की गई, जबकि तीसरा युवक जान बचाकर मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार मदारा गांव निवासी महेंद्र कुमार भील (30) अपने दोस्त पवन सिंह और एक अन्य साथी के साथ कार में सवार होकर जा रहा था। इसी दौरान चौकड़ी गांव में एक ट्रक ड्राइवर से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि ट्रक ड्राइवर ने मारपीट शुरू कर दी। देखते ही देखते कुछ ग्रामीण भी वहां एकत्र हो गए और ड्राइवर के साथ मिलकर कार सवार युवकों पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने कार में जमकर तोड़फोड़ की और शीशे तोड़ दिए। इस दौरान महेंद्र कुमार भील की बेरहमी से पिटाई की गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पवन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि तीसरा युवक जान बचाकर घटनास्थल से भाग गया। घायल पवन सिंह को पहले रेलमगरा अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए राजसमंद स्थित आरके अस्पताल रेफर किया गया।

पिकअप से कार टकराई, एक युवक की मौत

- तीन गंभीर घायल, इंदौर से माउंट आबू जा रहे थे चार दोस्त

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसे में इंदौर निवासी एक युवक की मौत हो गई। यह दुर्घटना सागवाड़ा बायपास पर हडमाला मोड़ के पास बुधवार रात को हुई, जहां एक कार सड़क किनारे खड़ी पिकअप से टकरा गई। हादसे में तीन अन्य दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, इंदौर के रहने वाले चार दोस्त शांतनु यादव, मोहित मौर्य, यश यादव और पवन अपनी कार से इंदौर से माउंट आबू जा रहे थे। बांसवाड़ा-डूंगरपुर नेशनल हाइवे 927 पर सागवाडा बायपास स्थित हडमाला मोड़ पर उनकी कार सड़क किनारे खडी एक पिकअप से जा टकराई। इस भीषण टक्कर में शांतनु यादव की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, उनके तीन दोस्त मोहित मौर्य, यश यादव और पवन गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को सागवाडा अस्पताल पहुंचाया। गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें आगे रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मृतक शांतनु यादव के शव को सागवाडा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। परिजनों के पहुंचने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर उन्हें सौंप दिया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अशोक गहलोत पर हमला बोला

- पूर्व मुख्यमंत्री के पीएसओ की भूमिका पर सभी का ध्यान है, किसी को बख्शा नहीं जाएगा
- 'कांग्रेस के लोगों को चश्मा बदलवाना चाहिए ताकि उन्हें राजस्थान का विकास दिखे'

सिरोही, जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सिरोही में ग्राम उत्थान शिविरों के उद्घाटन समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को करारा जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में आयोजित हुए पेपरों की ओएमआर शीट में बदलाव हुए। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री के घर तक भी जा रही है। मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को आइना दिखाते हुए कहा कि उनके पीएसओ की भूमिका क्या थी, इस पर सभी का ध्यान है। उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के लोगों को अपना चश्मा बदलवाना चाहिए, जिससे उन्हें राजस्थान का विकास दिखे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के राज में कई इलाकों में पलायन के पोस्टर लगते थे और लोगों को अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता था। इस बारे में हमारी केबिनेट ने कल अशांत क्षेत्र कानून लाने का फैसला किया है। कांग्रेस इस बिल से परेशान है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस हमेशा झूठ बोलती है और झूठ का रास्ता अपनाती है। एसआईआर के नाम पर कांग्रेस लोगों को बहकाने का काम कर रही है। कांग्रेस सरकार में लगातार पेपरलीक होते थे। हमारी सरकार में कोई भी पेपरलीक नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग तो ऐसे हैं जिन्हें सिर्फ बोलना होता है लेकिन क्या बोलना है, किसके बारे में बोल रहे हैं, उनको यह पता ही नहीं होता।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जमाना है, जनता किसी भी तरह की चिंता नहीं करे। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने जहां भी घोटाले किए हैं और प्रदेश के युवाओं के साथ धोखा किया है, किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

Rajasthan Water Grid Corporation Limited
(Formerly known as "Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited")
Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017, Tel: 0141-2700669 Email: ceercpc@gmail.com

No. :- 7889 Date :- 19/01/2026

NIB No. RWGCL/50/2025-26

Name of Work : - Supply and installation of IT Equipment's under ERCPCL Jaipur with 3 year Comprehensive Warranty of Balance item

Corrigendum 01

Sr. No.	Reference /Clause No. Page Number Of Bid Document	As Read	Now to be read as
1	Document Download End Date	19.01.2026 at 6:00 PM	27.01.2026 at 6:00 PM
2	Tender Submission End Date	19.01.2026 at 6:00 PM	27.01.2026 at 6:00 PM
3	Physical submission of Tender fee, Processing fee, and Bid Security in the Office of the MD RWGCL, Sinchai Bhawan Jaipur	20.01.2026 at 2:00 PM	28.01.2026 at 2:00 PM
4	Date of opening of Technical bid	20.01.2026 at 03:00 PM	28.01.2026 at 03:00 PM

Note: - All term and conditions will remain same.
NIB no: - ERP2526A0056, UBN no: -ERP2526GLOB00063 — Managing Director RWGCL Jaipur
Raj.Samwad/C/25/18245

राजस्थान सरकार
कार्यालय निदेशक, पुरातत्त्व एवं संग्रहालय विभाग, राजस्थान जयपुर
(दूरभाष नं. 0141-2820360, email-dirarch@rajasthan.gov.in)
क्रमांक : पु.सं./स्मा./बुक शॉप/आमेर/2026/513 दिनांक :- 09/01/26

निविदा सूचना

राजकीय संग्रहालय व महल आमेर में पर्यटकों की सुविधार्थ बुक शॉप की उपलब्धता एवं संचालन के लिए इच्छुक और पात्र कंपनी / फर्म/व्यक्तियों/ से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। बोली का विस्तृत विवरण http://museumsrajasthan.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। AMD2526SLOB00097
DIPR/C/803/2026 निदेशक

1.1 Abridged NIB
OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER, WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION, PANCHAYAT SAMITI, BARI
File no. 731 Date: 15/01/2026

NOTICE INVITING BID
NIT NO 04/2025-26
NIB No. WSC2526A1330 YEAR 2025-26

Bids for Construction of NRM works- Recharge shaft, anicut Renovation and anicut nirman karya (01 Package) of total estimated value INR 54.18 lacs under PMKSY-2.0 Block Baseri Distt. Dholpur are invited from interested bidders up to Date 26-01-2026 time at 06.00 PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)
UBN: WSC2526WSOB02326

(Smt km anisa)
EXECUTIVE ENGINEER
WATERSHED DEVELOMENT & SOIL CONSERVATION
P.S. BARI

DIPR/C/1113/2026

1.1 Abridged NIB
OFFICE OF EXECUTIVE ENGINEER, WATERSHED DEVELOPMENT & SOIL CONSERVATION, PANCHAYAT SAMITI, BARI
File no. 722 Date: 15/01/2026

NOTICE INVITING BID
NIT NO 03/2025-26
NIB No. WSC2526A1329 YEAR 2025-26

Bids for Construction of NRM works- PT with safety wall, talaab renovation and ECD (01 Package) of total estimated value INR 48.75 lacs under PMKSY-2.0 Block Bari Distt. Dholpur are invited from interested bidders up to Date 26-01-2026 time at 06.00 PM Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)
UBN: WSC2526WSOB02324

(Smt km anisa)
EXECUTIVE ENGINEER
WATERSHED DEVELOMENT & SOIL CONSERVATION
P.S. BARI

DIPR/C/1111/2026

नये रेग्यूलेशन का स्वागत

जयपुर। कॉलेज, विश्वविद्यालय एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों पर प्रभावी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (उच्च शिक्षा संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु) विनियम 2026 13 जनवरी से लागू हो गया है, जिसका राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ रुक्टा डेमोक्रेटिक ने स्वागत किया है। इसका मुख्य उद्देश्य शैक्षिणक परिसरों में जाति, जेंडर सहित सामाजिक भेदभाव को समाप्त करना और सभी छात्रों व कर्मचारियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करना है।

संगठन के प्रदेश संयोजक प्रो. रमेश बैरवा ने बताया है कि यदि निष्ठा व निष्पक्षता से लागू किया गया तो यूजीसी का नया रेग्युलेशन उच्च शिक्षण संस्थानों में बढ़ते जातिगत, जेंडर आधारित भेदभाव एवं उत्पीड़न की घटनाओं पर इससे कारगर रोक लग पाएगी। रुक्टा डेमोक्रेटिक गत कई वर्षों से उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न पर रोक के नियमों को कठोरता से लागू करने की मांग उठाता रहा है। 2026 का यह नियम यूजीसी के वर्ष 2012 की समता संवर्धन के विनियम का अद्यतन रूप है। वर्ष 2012 का विनियम सिर्फ छात्रों के साथ होने वाले भेदभाव पर लागू था लेकिन 2026 का यह नया रेग्युलेशन सिर्फ विद्यार्थी ही नहीं शिक्षक एवं अशैक्षिणक स्टाफ पर भी लागू है।

11वीं के छात्र ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना क्षेत्र के खेमपुर गांव में 11वीं कक्षा के एक छात्र ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव घर से कुछ दूरी पर खेत में एक पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोवड़ा थाने के हेड कांनिस्टेबल ने बताया कि खेमपुर निवासी एक व्यक्ति ने मामला दर्ज कराया है।

दुष्कर्म प्रकरण में दलित अधिकार केंद्र सक्रिय

मांगलियावास, (निसं)। पीसांगन थाना क्षेत्र में दलित समाज की नाबालिग बालिका के साथ हुए दुष्कर्म के गंभीर मामले को लेकर दलित अधिकार केंद्र ने संज्ञान लेते हुए सक्रिय भूमिका निभाई है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर दलित अधिकार केंद्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हेमंत मीमरौठ ने राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना, नई दिल्ली को पत्र भेजकर मामले में हस्तक्षेप करते हुए पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की है।

दलित अधिकार केंद्र की ओर से पुलिस के उच्च अधिकारियों को भी घटना की जानकारी देते हुए निष्पक्ष जांच कराने तथा आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की गई है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि मामला दर्ज हुए लगभग पंद्रह दिन बीत जाने के बावजूद अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई। पत्र में बताया गया है कि आरोपी शरीफ शेख प्रभावशाली व्यक्ति बताया जा रहा है, जिसके कारण पीड़ित परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है। इसे देखते हुए दलित अधिकार केंद्र ने अजमेर पुलिस महानिरीक्षक तथा राज्य सरकार के गृह मंत्री को भी पत्र प्रेषित कर केंद्रीय जांच एजेंसी से जांच कराने, लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की भूमिका की जांच करने तथा पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की है।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
झलकारी बाई स्मारक के पास पंचशील–लोहागल मार्ग, अजमेर (राजस्थान) फोन नं. 0145–2429971, 2429920

क्रमांक :–MEW/2025-26/1847 दिनांकः– 16.01.2026

:: ई–निविदा सूचना संख्या 53/2025–26 ::

नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 54.76 लाख (03 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड / अपलोड करने की अवधि	Date 17.01.26 से 27.01.26 को 6.00 PM तक
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 28.01.26 को 11:00AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http:/www.eproc.rajasthan.gov.in पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।
Nib Code :- ANN2526A0203

S.No.	UBN No.	S.No.	UBN No.
1	ANN2526WSOB00260	2	ANN2526WSOB00261
3	ANN2526WSOB00262		

राज.संवाद / सी / 25 / 18258 — अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम अजमेर

कृषि महाविद्यालय, नौगांवा, जिला-अलवर
(श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर)
क्रमांक :- प.( )/स्टोर/ई-बिड/कृ.महा.न/2026/ दिनांक :-

ई-बिड सूचना

कृषि महाविद्यालय नौगांवा, अलवर में विभिन्न प्रकार के प्रयोगशाला उपकरणों की आपूर्ति की ई–बिड प्रपत्र वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं sppp.rajasthan.gov.in and www.sknau.ac.in पर देखा जा सकता है। पूर्ण रूप से भरी हुई निविदाए दिनांक 30.01.2026 अपराहनः 05.00 बजे तक Upload करवाई जा सकती है। प्राप्त निविदाएं दिनांक 31.01.2026 को सुबह 11.00 बजे टैण्डर समिति द्वारा खोली जावेगी।
UBN : SKN2526GLOB00381
NIB : SKN2526A0348
राज.संवाद/सी/25/18241 अधिष्ठाता

RajCOMP Info Services Limited (RISL)
C-Block, 1st Floor, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur
RISL द्वारा निम्न ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :–

NIB No./ Date/ Unique bid no.	Particulars	Estimated Cost	Start of sale / Last date
5946 Dated 20/01/2026 RIS2526SLOB00070	RFP for renewal of ATS, Subscription and Maintenance of existing IBM Engineered Machines at RSDC.	Rs. 13.25 Cr / Rs. 26.50 Lakh	20.01.2026 / 04.02.2026

विस्तृत जानकारी हेतु इन वेबसाईट पर सम्पर्क करें – http://risl.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://doitc.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in
Raj.Samwad/C/25/18260 Additional Director

अजमेर के दौलतखेड़ा विद्यालय में प्रार्थना सभा के दौरान बच्चों से झाड़ू लगवाने का आरोप

- सरकारी आदेशों का खुला उल्लंघन, शिक्षा विभाग करेगा कार्रवाई
- प्रतिदिन अलग-अलग बच्चों को झाड़ू लगवाने का आरोप

मांगलियावास, (निसं)। अजमेर जिले के मांगलियावास के पास ग्राम पंचायत दौलतखेड़ा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रभावी प्रार्थना सभा से संबंधित राज्य सरकार के आदेशों का खुला उल्लंघन किए जाने का मामला सामने आया है। विद्यालय में प्रार्थना सभा के समय बच्चों से झाड़ू लगवाए जाने का आरोप है, जिससे वे प्रार्थना और नैतिक शिक्षा से वंचित रह जाते हैं।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार द्वारा विद्यालयों में प्रभावी प्रार्थना सभा आयोजित करने तथा उसमें राष्ट्रीय और नैतिक शिक्षा को अनिवार्य करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन दौलतखेड़ा विद्यालय में इन नियमों की अनदेखी की जा रही है। प्रतिदिन अलग-अलग बच्चों की ड्यूटी झाड़ू लगाने के लिए लगाई गई है। इसी दौरान हाल के दिनों में यह देखा गया कि कुछ बच्चे प्रार्थना सभा में बैठे थे, जबकि कुछ बच्चे उसी समय सफाई कार्य में लगे हुए थे।

इस संबंध में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुरक्षा मीणा ने बताया कि विद्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नहीं होने के कारण छात्रों से सफाई करवाई जाती है और यह एक ग्रामीण विद्यालय है।

वहीं, अतिरिक्त खंड शिक्षा अधिकारी हंसराज चौधरी ने मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि प्रार्थना सभा को प्रभावी बनाना आवश्यक है। जो बच्चे प्रार्थना सभा से वंचित रहते हैं, वे नैतिक शिक्षा से भी वंचित रह जाते हैं। उन्होंने बताया कि विद्यालय प्रशासन को इस संबंध में नोटिस जारी कर पाबंद किया जाएगा तथा प्रधानाचार्य से प्रार्थना के दौरान बरती जा रही लापरवाही का स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

राजस्थान स्टेट पॉवर फाइनेन्स एण्ड फाइनेन्शियल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड
Rajashtan State Power Finance and Financial Services Corporation Limited
(A Government of Rajasthan Undertaking), CIN:U65923 RJ 2012 SGC 041087,
Registered Office: 1st Floor, Rajasthan State Textbook Board, 2-2A,
Jhalana Dungri, Jaipur 302004, Email : rspfcl@rajasthan.gov.in,
Tel. No.: +91-141-2708611, Fax-2708611 Website : http://rspfcl.rajasthan.gov.in

F. No. :- F1(e)(2)RSPF&FSCL/MP/2026/62 Dated :- 21/01/2026

SHORT TERM NOTICE INVITING BID
E-Bid Notice

Bids for hiring the services of 5 Multi-Tasking Staff (MTS) and 4 Data Entry Operators of estimated value ₹ 38.00 lakh are invited from interested/eligible bidders for the period of 2 years. The last time and date of submission of bid is up to 10:30 AM on 28.01.2026. Other particulars and details of bids are available on the procurement portal (http://sppp.rajasthan.gov.in), (https://eproc.rajasthan.gov.in) and the website of the Corporation (http://rspfcl.rajasthan.gov.in).
NIB No:-01/2026
UBN No. :- FCL2526SLOB00002
Raj.Samwad/C/25/18244 General Manager (Finance)

प्रिय सायना, आपका करियर इस बात का सबूत है कि महानता एक बार में एक दिन, धैर्य, साहस और लगातार कोशिशों से बनती है।
- सचिन तेंदुलकर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, सायना नेहवाल के बारे में बोलते हुए।

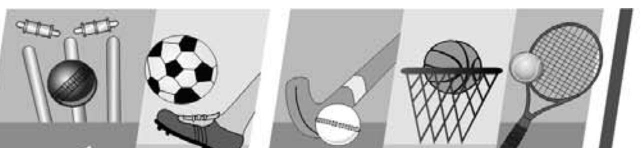

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ इगा स्वियाटेक

पोलैंड की स्टार टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियाटेक गुरुवार को महिला एकल के मुकाबले में चेक गणराज्य की मैरी बोजकोवा को सीधे सेटों में हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे दौर में जगहा बना ली। आज यहां एक घंटा 19 मिनट तक चले मुकाबले में नंबर दो सीड स्वियाटेक ने बोजकोवा पर 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। इस जीत से वह लगातार सातवें साल ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे राउंड में पहुंच गईं। इस नतीजे के साथ स्वियाटेक ओपन एरा में एक ही दशक के पहले 24 महिला एकल ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में राउंड ऑफ 32 में पहुचने वाली पहली डब्ल्यूटीए टूर खिलाड़ी बन गईं।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय क्रिकेट टीम ने 2009 तक न्यूजीलैंड का दौरा किया। इस दौरे में तीन टेस्ट, पांच वनडे और दो टी20 मैच शामिल थे। न्यूजीलैंड ने दोनों टी20 सीरीज जीतीं।

भारत में टी-20 विश्वकप नहीं खेलेगा बांग्लादेश

ढाका, 22 जनवरी। बंगलादेश ने भारत में टी-20 विश्वकप नहीं खेलने का फैसला किया। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी), बंगलादेशी क्रिकेटरों और सरकार के खेल सलाहकार के बीच ढाका में गुरुवार को बैठक के बाद यह फैसला सामने आया है। वे भारत में विश्वकप मैच नहीं खेलना चाहते हैं और अपने कार्यक्रम को श्रीलंका में कराना चाहते है। बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा, "हम श्रीलंका में खेलने की अपनी योजना के साथ आईसीसी के पास जायेंगे। उन्होंने हमें 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था, लेकिन एक वैश्विक संस्था सही में ऐसा नहीं कर सकती। आईसीसी 20 करोड़ लोगों को विश्वकप मैच देखने से वंचित करेगी। यह उनका अपना नुकसान है। आईसीसी श्रीलंका को सह मेजबान बता रहा है लेकिन वह सह मेजबान नहीं है। यह एक हाईब्रिड मॉडल है। मैंने आईसीसी बैठक में कुछ बातें सुनी थी जो चौंकाने वाली थीं।"

सरकार के सलाहकार आसिफ नजरुल ने कहा हम उम्मीद करते है कि आईसीसी हमें श्रीलंका में खेलने का मौका देगा। हमारी सरकार ने भारत न जाने का यह फैसला किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बंगलादेश की भारत से उसके टी-20 विश्व कप मैच शिफ्ट करने की मांग कल खारिज कर दी थी। आईसीसी ने बीसीबी से बंगलादेश सरकार को यह बताने के लिए कहा था कि अगर बंगलादेश टी-20 विश्व कप में अपने मैच खेलने के लिए भारत जाने से इनकार करता रहता है, तो टूर्नामेंट में उसकी जगह किसी दूसरी टीम को ले लिया जाएगा। इस फैसले के बाद वोटिंग हुई, जिसमें आईसीसी बोर्ड के ज्यादातर सदस्य रिप्लेसमेंट के पक्ष में थे।

बीसीसीआई के आईपीएल टीम कोलकाता नाईट राइडर्स को मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने के निर्देश के बाद बंगलादेश ने भारत में खेलने को लेकर सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए यह मांग की थी। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने लगातार सरकार की सुरक्षा चिंताओं को ही अपना आधार बनाया है और भारत में खिलाड़ियों की जान को खतरा बताया है।

बीसीबी ने कई दफा आईसीसी से गुजारिश की थी कि उनके मैचों का आयोजन श्रीलंका में कराया जाए। पिछले सप्ताह हुई बैठक के दौरान तो बांग्लादेशी बोर्ड ने एक अजीबोगरीब प्रस्ताव तक दे डाला। उन्होंने मांग की कि बंगलादेश को ग्रुप-सी से निकालकर ग्रुप-बी में भेज दिया जाए और आयरलैंड की जगह उन्हें दे दी जाए, क्योंकि आयरलैंड को अपने ग्रुप स्टेज के सभी मुकाबले श्रीलंका में ही खेलने हैं। हालांकि, आईसीसी ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया था और इससे पहले आए इसी तरह के अन्य सुझावों को भी कोई तवज्जो नहीं दी।

भारत में नहीं खेलने से बंगलादेश को वित्तीय नुकसान भी होगा। बीसीबी को आईसीसी से मिलने वाली पांच लाख अमेरिकी डॉलर की तैयारी फीस नहीं मिलेगी। साथ ही खिलाड़ी भी इनामी राशि से वंचित रहेंगे, जो न्यूनतम तौर पर पूरी टीम में बंटने वाले दो लाख अमेरिकी डॉलर हो सकते थे और मैच जीतने की सूरत में यह रकम और बढ़ सकती थी।

भारत 2-0 की बढ़त बनाने के इरादे के साथ उतरेगा

रायपुर, 22 जनवरी। भारत के अभिषेक शर्मा न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 में 35 गेंदों में 84 रन बनाकर पहले से ही सुर्खियों में हैं, और सभी की निगाहें फिर से उन पर होंगी जब दोनों टीमें शुक्रवार को शाम 7:00 बजे शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पांच मैचों की सीरीज के दूसरे मैच में भिड़ेंगी। भारत को हालांकि न्यूज़ीलैंड के पलटवार से सावधान रहना होगा जिसने वनडे सीरीज में पहला मैच हारने के बाद वापसी करते हुए अगले दोनों मैच जीतकर सीरीज अपने नाम की थी। भारत ने नागपुर में सीरीज के पहले मैच में 48 रन से जीत हासिल की, और 238/7 का बड़ा स्कोर बनाया। अभिषेक की शानदार पारी, जिसमें आठ ऊंचे छक्के शामिल थे, ने लय बनाई, जबकि रिंकू सिंह की 20 गेंदों में नाबाद 44 रन की पारी ने भारत को 230 के पार पहुंचाया।

सूर्यकुमार यादव (22 गेंदों में 32) और हार्दिक पांड्या (16 गेंदों में 25) ने अहम सपोर्ट दिया। बॉल से वरुण चक्रवर्ती और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या ने एक-एक विकेट लेकर न्यूज़ीलैंड को प्रेशर में रखा और उन्हें 190/7 पर रोक दिया।

भारत रायपुर में अक्षर पटेल के बिना खेल सकता है, क्योंकि नागपुर में कैच-एंड-बॉलिंग करते हुए उनकी उंगली में चोट लग गई थी। अगर भारत पेसर चुनता है तो उनकी जगह हर्षित राणा या अगर वे स्पिन-हैवी लाइनअप के साथ जाते हैं तो रवि बिश्नोई को लेने की उम्मीद है।

239 रन के बड़े टारगेट का पीछा करते हुए न्यूज़ीलैंड को टॉप पर संघर्ष करना पड़ा क्योंकि शुरुआती विकेट गिरने से वे तुरंत प्रेशर में आ गए। ग्लेन फिलिप्स ने 40 गेंदों पर शानदार 78 रन बनाकर काउंटर अटैक किया, जिसमें मार्क चैपमैन (39) और डेरिल मिशेल (28) ने उनका साथ दिया।

काइल जैमीसन और जैकब डफी ने दो-दो विकेट लिए, जबकि ईश सोढ़ी और मिशेल सेंटनर ने एक-एक विकेट लिया। हार के बावजूद, न्यूज़ीलैंड ने लड़ाई दिखाई और रायपुर में अपने टॉप-ऑर्डर की दिक्कतों और डेथ बॉलिंग की चिंताओं को दूर करने की कोशिश करेगा। टी20 में आमने-सामने, भारत 26 मुकाबलों में न्यूज़ीलैंड से 13-10 से आगे है, जिसमें तीन मैच टाई रहे। हालिया फ़ॉर्म भारत के पक्ष में है, जिसने अपने पिछले पाँच टी20 में से चार जीते हैं, जिसमें सीरीज का पहला मैच भी शामिल है। वहीं, न्यूज़ीलैंड ने अपने पिछले पाँच टी20 में तीन जीत और दो हार दर्ज की हैं।

रायपुर की पिच बैट्समैन और बॉलर्स दोनों के लिए एक बैलेंस्ड मुकाबला देती है, लेकिन लक्ष्य का पीछा करना हमेशा से मुश्किल रहा है। मैदान की बड़ी बाउंड्री (75-80 मीटर) बड़ी हिटिंग को मुश्किल बनाती हैं, जबकि स्पिनरों के अहम रोल निभाने की संभावना है।

रात के खेल में ओस की उम्मीद के साथ, दूसरी इनिंग में बैटिंग थोड़ी आसान हो सकती है। शुक्रवार को मौसम धूप वाला रहने और हल्की हवाएं चलने और तापमान 28 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है, जो क्रिकेट के लिए लगभग आइडियल कंडीशन देगा।

हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला : नजरुल

ढाका, 22 जनवरी। बंगलादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने गुरुवार को कहा कि आईसीसी ने उन्हें भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी 20 विश्व कप में हिस्सा लेने के संबंध में उचित न्याय नहीं दिया। कल, आईसीसी ने बंगलादेश की भारत से श्रीलंका में वेन्यू बदलने की अपील को खारिज कर दिया, और इसके बजाय बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड को उनकी भागीदारी पर फैसला लेने के लिए 24 घंटे का समय दिया। आईसीसी ने स्कॉटलैंड को भी स्टैंडबाय पर रखा है, अगर बंगलादेश आखिरकार टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए भारत जाने को तैयार नहीं होता है। नजरुल, जिन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेटरों के साथ बैठक की थी, ने पत्रकारों से कहा कि वे अपना रुख बदलने को तैयार नहीं हैं।आसिफ ने कहा, "मुझे लगता है कि हमें आईसीसी से न्याय नहीं मिला। हम वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं, यह पूरी तरह से सरकार का फैसला है। उन्होंने कहा,"मुझे लगता है कि हाल के दिनों में भारत में ऐसा कुछ नहीं हुआ है जिससे यह लगे कि वहां (सुरक्षा के लिहाज से) चीजें बदल गई हैं। हमें उम्मीद है कि आईसीसी हमें न्याय देगा।

टीम रामबाग और जिंदल बेदला ने जीते मैच

जयपुर, 22 जनवरी। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत खेले जा रहे राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप (06 गोल) के लिए पीपीसी ग्राउंड पर दो रोमांचक मुकाबले हुए। पहला मुकाबला टीम रामबाग और टीम अरावली के बीच हुआ, जिसमें टीम रामबाग विजेता रही।

500वीं जीत के साथ पी.वी. सिंधु क्वार्टरफाइनल में

जकार्ता, 22 जनवरी। दो बार की ओलम्पिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने इंडिया ओपन की निराशा को पीछे छोड़ते हुए गुरुवार को इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

इण्डिया ओपन के पहले दौर में बाहर हुई सिंधु ने डेनमार्क की लाइन होजमार्क कजेरफेल्ट को 21-19, 21-18 से हराया। सिंधु का यह शानदार प्रदर्शन तब आया जब लक्ष्य सेन ने अपने पुरुष सिंगल्स के दूसरे राउंड के प्रतिद्वंद्वी को हराया और क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की।

सिंधु, जिन्हें पहले राउंड में जापान की अनसीडेड मनामी सुइज़ू ने कड़ी टक्कर दी थी, लाइन होजमार्क के खिलाफ पूरी तरह से कंट्रोल में दिखीं, और डेनिश शटलर को 43 मिनट में हराया। यह अब तक के छह मुकाबलों में डेनिश खिलाड़ी के खिलाफ सिंधु की यह पांचवीं जीत थी। गुरुवार को इस जीत के साथ, सिंधु अपने करियर में 500 मैच जीतने वाली छठी महिला सिंगल्स शटलर और ऐसा करने वाली पहली भारतीय भी बन गईं। बीडब्ल्यूएफ टूर पर, सिंधु का जीत-हार का रिकॉर्ड 456-227 है। यह 2026 में तीन टूर्नामेंट में सिंधु का दूसरा क्वार्टर फाइनल था, इससे पहले वह मलेशिया ओपन सुपर 1000 के सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। ऐसा लगता है ।

ल्यूक राइट इंग्लैंड के नेशनल सिलेक्टर के पद से हटेंगे

लंदन, 22 जनवरी। इंग्लैंड पुरुष टीम के नेशनल सिलेक्टर ल्यूक राइट अगले महीने शुरू होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के बाद अपने पद से हट जाएंगे। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पुष्टि की है कि पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर राइट, जिन्हें नवंबर 2022 में इस पद पर नियुक्त किया गया था, तीन साल से कुछ ज़्यादा समय बाद यह नौकरी छोड़ देंगे।

इस पद पर अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान, इंग्लैंड का आईसीसी टूर्नामेंट में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। वे 2023 और 2025 में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे, और क्रिकेट विश्व कप 2023 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गए। वे 2024 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचे, लेकिन आखिरकार चैंपियन बने भारत से आसानी से हार गए।

इस्तीफे का मुख्य कारण अपने परिवार से दूर रहना बताते हुए, राइट ने भविष्य में अपने लिए क्या होगा, इसका इंतज़ार किया। राइट ने कहा, "पिछले तीन सालों में इंग्लैंड पुरुष टीम के सिलेक्टर के रूप में सेवा करना मेरे लिए सच्चा सम्मान और सौभाग्य की बात रही है।" "इस भूमिका में काफी यात्रा करनी पड़ती है और घर से दूर रहना पड़ता है, और एक युवा परिवार के साथ, मुझे लगता है कि अब यह ज़िम्मेदारी अगले व्यक्ति को सौंपने का सही समय है। अब मैं बहुत दिलचस्पी और उत्साह के साथ देख रहा हूँ कि भविष्य में क्रिकेट से जुड़ी कौन सी भूमिकाएँ मेरे लिए होंगी।"

श्रीराम बालाजी दूसरे राउंड में, युकी भांबरी का मिश्रित युगल में अभियान समाप्त

मेलबर्न, 22 जनवरी। ओलंपियन एन श्रीराम बालाजी गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट में पुरुषों के युगल मुकाबले के दूसरे राउंड में पहुंच गए हैं, जबकि हार के साथ युकी भांबरी का मिश्रित युगल में अभियान समाप्त हो गया। आज यहां खेले गये मुकाबले में बालाजी और उनके ऑस्ट्रियाई जोड़ीदार नील ओबरलीटनेर ने फ्रांस के पियरे-ह्यूग्स हर्बर्ट और ऑस्ट्रेलिया के जॉर्डन थॉम्पसन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनाई।

गिल दूसरी गेंद पर शून्य पर लुढ़के, पार्थ के पंजे से सौराष्ट्र ने हासिल की बढ़त

राजकोट, 22 जनवरी। पंजाब की ओर से खेल रहे भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल गुरुवार को घरेलू टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के खिलाफ खराब प्रदर्शन करते हुए दूसरी ही गेंद पर पगबाधा होकर पवेलियन लौट गये। जय गोहिल (82) की जुझारू पारी और पार्थ रिपीट पार्थ भट्ट (पांच विकेट) की अगुवाई में सौराष्ट्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहली पारी में 172 रन बनाने के बाद पंजाब को 139 समेटते हुए पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय दूसरी पारी में तीन विकेट पर 24 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 57 रनों की हो गई है। आज यहां सौराष्ट्र ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 47.1 ओवरों में 172 का स्कोर बनाया। सौराष्ट्र के लिए जय गोहिल ने 117 गेंदों में नौ चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 82 रनों की पारी खेली। उनके अलावा प्रेरक मांकड़ (32), हार्विक देसाई (13) और हेत्विक कोटक (12) रन बनाकर आउट हुये। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक नहीं पहुंच सके। पंजाब के लिए हरप्रीत बराड़ ने 38 रन देकर छह विकेट लिये। जसिंदर सिंह को दो विकेट मिले। प्रेरित दत्ता और सनवीर सिंह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब को पार्थ भट की अगुवाई में सौराष्ट्र के गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना पड़ा। पंजाब की पूरी टीम 40.1 ओवर में 139 के स्कोर पर सिमट गई। प्रभसिमरन सिंह ने सर्वाधिक 44 रन बनाये। अनमोलप्रीत सिंह (35), उदय सहारन (23), हरप्रीत बराड़ (12) और प्रेरित दत्ता 11 रन बनाकर आउट हुये। शुभमन गिल सहित छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। इसी के साथ सौराष्ट्र को पहली पारी के आधार पर 33 रनों की बढ़त हासिल हुई। सौराष्ट्र के लिए पार्थ भट ने 33 रन देकर पांच विकेट लिये। धर्मेंद्रसिंह जडेजा और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले। जयदेव उनादकट ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

दिन का खेल समाप्त होने के समय सौराष्ट्र ने दूसरी पारी में 24 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये थे। हार्विक देसाई (छह) और चिराग जानी (पांच) को हरप्रीत बराड़ ने आउट किया।वहीं पहली पारी में सौराष्ट्र के 82 रन बनाने वाले जय गोहिल को जसिंदर सिंह ने आठ रन पर बोल्ड आउट कर पवेलियन भेज दिया। स्टंप्स के धर्मेंद्रसिंह जडेजा नाबाद पांच क्रीज पर मौजूद थे। सौराष्ट्र की कुल बढ़त 57 रन की हो गई।

राजधानी

एसओजी ने सत्य सांई यूनिवर्सिटी सहित पांच ठिकानों पर मारे छापे

पीटीआई भर्ती-2022 में फर्जी डिग्रियों से नौकरी हासिल करने का मामला

-कार्यालय संवाददाता-

- **एसओजी के अनुसार पीटीआई भर्ती-2022 में चयनित 67 अभ्यर्थियों के पास श्रीसत्यसांई यूनिवर्सिटी की बीपीएड डिग्री पाई गई है। इनमें से 40 अभ्यर्थियों ने आवेदन के समय किसी अन्य विश्वविद्यालय की डिग्री दर्शाई थी, परंतु दस्तावेज सत्यापन के दौरान सत्य सांई यूनिवर्सिटी की डिग्री प्रस्तुत की। इन सभी 67 अभ्यर्थियों के रिकॉर्ड जब्त कर जांच की जा रही है।**
- **एसओजी के डीआईजी परिस देशमुख ने बताया कि फर्जी डिग्री की शिकायतों पर अब तक करीब 300 लोगों के खिलाफ पांच अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं।**

जयपुर। शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) भर्ती-2022 में फर्जी डिग्रियों के जरिए नौकरी हासिल करने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने मध्यप्रदेश के भोपाल और सीहोर में बड़ी कार्रवाई की है। एसओजी की टीमों ने बुधवार को श्रीसत्य सांई यूनिवर्सिटी के कैंपस सहित पांच ठिकानों पर छापेमारी कर दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। यह कार्रवाई गुरुवार को भी जारी रही।

एसओजी के अनुसार पीटीआई भर्ती-2022 में चयनित 67 अभ्यर्थियों के पास श्रीसत्यसाईं यूनिवर्सिटी की बीपीएड डिग्री पाई गई है। इनमें से 40 अभ्यर्थियों ने आवेदन के समय किसी अन्य विश्वविद्यालय की डिग्री दर्शाई थी, लेकिन दस्तावेज सत्यापन के दौरान सत्यसाईं यूनिवर्सिटी की डिग्री प्रस्तुत की। इन सभी 67 अभ्यर्थियों के रिकॉर्ड जब्त कर जांच की जा रही है।

एसओजी के डीआईजी परिस देशमुख ने बताया कि फर्जी डिग्री की शिकायतों पर अब तक करीब 300 लोगों के खिलाफ पांच अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं।

जांच में सामने आया है कि सत्यसाईं यूनिवर्सिटी की ओर से बड़ी संख्या में फर्जी डिग्रियां जारी की गईं। यूनिवर्सिटी द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों में गंभीर हेराफेरी पाई गई है।इसी कड़ी में एसओजी ने जयपुर कोर्ट से सर्च वारंट लेकर लगभग 40 अधिकारियों की टीम को मध्यप्रदेश भेजा। स्थानीय पुलिस की सहायता से टीमों ने सीहोर स्थित यूनिवर्सिटी कैंपस, भोपाल के अरेरा कॉलोनी स्थित कपूर हाउस, यूनिवर्सिटी प्रबंधन के सीए के कार्यालय व निवास तथा गांधीनगर स्थित आरकेडीए परिसर में छापेमारी की। फॉरेंसिक अकाउंटिंग और ऑडिटिंग विशेषज्ञों की मदद से यूनिवर्सिटी के एडमिशन, फीस और परीक्षा से जुडे डाटा की भी जांच की जा रही है।

एसओजी की जांच में खुलासा हुआ है कि कई कॉलेजों ने अधिकृत काउंसलिंग प्रक्रिया के बिना ही बीपीएड कोर्स में प्रवेश दे दिए। कुछ कॉलेजों में बिना मान्यता के कोर्स संचालित किए गए।

ग्रेजुएशन में 50 प्रतिशत से कम अंक वाले अभ्यर्थियों को भी प्रवेश दिया गया और कई मामलों में बैक डेट में डिग्रियां जारी की गईं।

जांच में यह भी सामने आया है कि कई अभ्यर्थी कॉलेज गए बिना ही डिग्री हासिल कर गए। पीटीआई भर्ती में फर्जी डिग्री जारी करने के मामले में राजगढ़ (चूरू) की ओपीजेएस यूनिवर्सिटी और शिकोहाबाद की जेएस यूनिवर्सिटी की मान्यता पहले ही रद्द की जा चुकी है। अन्य विश्वविद्यालयों की डिग्रियों की जांच एसओजी द्वारा जारी है।

गिरफ्तार आरोपियों के फोटो-वीडियो अब सोशल मीडिया और मीडिया को नहीं देगी पुलिस

जयपुर। राजस्थान में गिरफ्तार आरोपियों के फोटो और वीडियो अब पुलिस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म या मीडिया से साझा नहीं करेगी। राजस्थान हाईकोर्ट जोधपुर के कड़े निर्देशों के बाद पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में सभी पुलिस अधिकारियों को आदेश जारी किए हैं।

एडीजी (क्राइम) हवा सिंह घुमरिया ने जयपुर व जोधपुर के पुलिस आयुक्तों तथा सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश देते हुए कहा है कि गिरफ्तार आरोपियों के साथ मानवीय, सभ्य और विधिसम्मत व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। आरोपियों को अपमानजनक स्थिति में सार्वजनिक रूप से या मीडिया के सामने पेश नहीं किया जाएगा। आदेश में हाईकोर्ट के 20 जनवरी 2026 के निर्णय का हवाला देते हुए आरोपियों की निजता के अधिकार को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार पुलिस किसी भी आरोपी के फोटो या वीडियो को अपने आधिकारिक अथवा अनौपचारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड नहीं करेगी और न ही मीडिया को उपलब्ध कराएगी। इसके साथ ही पुलिस ब्रीफिंग के दौरान आरोपियों के लिए शब्दों के चयन में भी सावधानी बरतने और गरिमा बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज होंगे सरस्वती वंदन, युवा संवाद और मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठक में शामिल

विद्यार्थियों को देंगे नि:शुल्क साइकिल और ट्रांसपोर्ट वाउचर समेत कई सौगातें

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर जयपुर के कॉमर्स कॉलेज में सरस्वती वंदन, युवा संवाद और मेगा अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) में शिरकत करेंगे। इस दौरान शर्मा विद्यार्थियों को कई सौगातें देंगे। कार्यक्रम में छात्राओं को नि:शुल्क साइकिल वितरण किया जाएगा। साथ ही, विद्यार्थियों को ट्रांसपोर्ट वाउचर सहित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत राशि का हस्तांतरण किया जाएगा। इस दौरान राज्यभर में लाखों विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक सरस्वती वंदना की जाएगी।

प्रदेशभर के राजकीय विद्यालयों में मेगा पीटीएम का यह आयोजन अब तक का सबसे बड़ा शैक्षिक सहभागिता कार्यक्रम होगा। इसमें अभिभावक अपने बच्चों के शैक्षिणक, सह-शैक्षिणक एवं सर्वांगीण विकास से संबंधित जानकारी शिक्षकों से साझा मंच पर प्राप्त करेंगे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हाल ही में, 1 लाख भर्तियों का परीक्षा कैलेण्डर जारी किया गया है, वहीं अब तक 1 लाख से अधिक युवाओं को विभिन्न सरकारी सेवाओं में नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। साथ ही, राज्य सरकार ने युवा नीति-2026, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना एवं रोजगार नीति-2026 भी जारी की है।

भ्रष्ट और अनुशासनहीन लोक सेवकों के विरूद्ध मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सख्त कार्रवाई

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अभियोजन स्वीकृति, 17-ए, अनिवार्य सेवानिवृत्ति एवं विभागीय जांच के 24 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए दोषी कार्मिकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की है।

शर्मा ने लोक सेवकों द्वारा पद एवं शक्तियों का दुरूपयोग कर अनैतिक लाभ प्राप्त करने के दो प्रकरणों में एक वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी एवं उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी के विरूद्ध धारा-19 भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम, 2018 के तहत अभियोजन स्वीकृति जारी की है। इसी प्रकार सार्वजनिक निर्माण विभाग के 03 अधिकारियों द्वारा संवेदक के साथ मिली-भगत कर सड़क निर्माण कार्य में अवैध लाभ पहुंचाने के आरोप में धारा 13 (1) (डी) एवं धारा 13 (2) के अंतर्गत अभियोजन स्वीकृति जारी की गई है।

कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर राजकीय भूमि की निजी व्यक्ति के पक्ष में खातेदारी प्रदान करने की गंभीर शिकायत पर राजस्थान प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी के विरूद्ध धारा 17-ए के तहत विस्तृत जांच के लिए पूर्वानुमोदन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958, के तहत संचालित वृहद शास्ति के प्रकरणों में 4 अधिकारियों द्वारा की गई नियम विरूद्ध कार्यवाही करने पर वार्षिक वेतन वृद्धि रोककर दण्डित किया है।

सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध संचालित 5 जांच प्रकरणों में पेंशन रोके जाने की शास्ति लगाई गई है, जिसमें दो सेवानिवृत्त अधिकारियों द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किए जाने से राज्य सरकार को कारित भारी आर्थिक हानि एवं अवैध गतिविधियों में संलिप्त होने के दृष्टिगत शत-प्रतिशत पेंशन रोके जाने का आदेश दिया गया है।

वहीं, सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध 4 प्रकरणों में प्रमाणित आरोपों के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन करते हुए प्रस्ताव राज्यपाल को प्रेषित किए गए हैं।

सीसीए नियम-16 में विभिन्न आरोपित अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत पुनरावलोकन याचिकाओं में से 4 याचिकाएं खारिज की गई हैं तथा अनिवार्य सेवानिवृत्ति के एक प्रकरण में अपील को अस्वीकार करते हुए पूर्व निर्णय को यथावत रखा गया है।

सरकार की नीति और योजनाओं की आमजन तक पहुंच के लिए प्रभावी संप्रेषण जरूरी : मुख्य सचिव

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने कहा कि आमजन तक राज्य सरकार की योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों से संबंधित सूचनाओं के बेहतर संप्रेषण के लिए सभी विभागों को प्रचार-प्रसार के लिए बदलते तरीकों पर जोर देना होगा। उन्होंने कहा कि परंपरागत तरीकों के अलावा सोशल मीडिया के नए टूल्स के साथ राज्य सरकार की योजनाओं और नीतियों को आम जनता का प्रभावी तरीके से पहुंचा जा सकता है। वी.श्रीनिवास गुरुवार को सचिवालय के कांफ्रेंस हॉल में सभी विभागों के आला अधिकारियों के साथ आयोजित कार्यशाला रिफॉर्म-परफॉर्म-ट्रांसफॉर्म और इन्फॉर्म को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा लगातार नवाचार करते हुए आमजन तक बेहतर संप्रेषण के साथ सूचनाओं पहुंचाई जा रही है। विभाग द्वारा हाल ही आर्मी डे परेड, रोजगार कैलेंडर और रोड सेफ्टी वीडियो को लाखों लोगों ने देखा ओर शेयर भी किया। राज्य सरकार के निर्देशन में यह कार्यशाला केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय एवं राज्य सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। सचिव, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय संजय जाजू ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रभावी संप्रेषण के अनुभवों को साझा करते हुए केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयोगों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा सूचनाएं आसान शब्दों में, महत्वपूर्ण जानकारी के साथ, विश्वसनीयता और भावनात्मक अपील के साथ संप्रेषित की जानी चाहिए। जाजू ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी विज्ञापन अभियान जीएसटी बचत उत्सव सरल और आसान शब्दों में था, इसलिए आम लोगों को बहुत रास आया। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर झूठी और भ्रामक खबरों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के टूल्स का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए। पत्र सूचना कार्यालय की महानिदेशक अनुपमा भटनागर में इफेक्टिव गवर्नमेंट कम्युनिकेशन पर प्रस्तुति करने देते हुए केंद्र सरकार द्वारा किए गए नवाचारों को साझा किया।

सार-समाचार

छोटे पशुओं में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी पर प्रशिक्षण शुरु

बीकानेर। राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय बीकानेर के सर्जरी एवं रेडियोलॉजी विभाग द्वारा पशु चिकित्सकों का तीन दिवसीय लेप्रोस्कोपी तकनीको पर प्रशिक्षण गुरुवार से शुरू हुआ। यह प्रशिक्षण भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.) के अधीन डीमिस्का नेटवर्क प्रोजेक्ट के अंतर्गत आयोजित किया गया जा रहा है। केन्द्र के मुख्य अन्वेषक प्रो. प्रवीण बिश्नोई ने बताया कि इस प्रशिक्षण में चिकित्सकों को लैप्रोस्कोपी से संबंधित विभिन्न तकनीकों, स्टरलाइजेशन, बायोप्सी, ऑपरेशन संसाधन, सुचर तकनीको आदि का प्रायोगिक ज्ञान प्रदान किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के 9 राज्यों तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, उत्तराखंड, नई दिल्ली, पंजाब, हरियाणा एवं राजस्थान के कुल 17 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जो पशु चिकित्सा क्षेत्र में उन्नत लेप्रोस्कोपिक तकनीकों का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो-वाइस चांसलर डॉ. हेमन्त दाधीच ने स्वागत उद्बोधन में पशु चिकित्सा शल्य चिकित्सा एवं रेडियोलॉजी विभाग, सीवीएएस, बीकानेर के गौरवशाली इतिहास, शैक्षणिक उपलब्धियों एवं तकनीकी क्षमताओं पर प्रकाश डालते हुए इस प्रकार के व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों को समय की आवश्यकता बताया। विशिष्ट अतिथि डॉ. टी.के. गहलोत ने विभाग में लेप्रोस्कोपी की शुरुआत, उसके क्रमिक विकास तथा किसी भी संस्थान में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी प्रारंभ करने की व्यवहारिक प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की। विशिष्ट अतिथि डॉ. आर.के. काजला, प्रोफेसर, एस.पी. मेडिकल कॉलेज, बीकानेर ने भारत में लैप्रोस्कोपी के ऐतिहासिक विकास क्रम तथा मानव चिकित्सा में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के विभिन्न चरणों पर अपने समृद्ध अनुभव साझा किए। कोर्स सह-समन्वयक डॉ. महेंद्र तंवर ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छोटे पशुओं में ऑपरेशन के दौरान कम से कम शल्य चिकित्सा के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक कौशल को सशक्त बनाना है। डॉ. साकार पालेचा तथा डॉ. अनिल बिश्नोई प्रशिक्षण कार्यक्रम के सह-समन्वयक है।

21 चिकित्सा शिक्षकों को मिली पदोन्नति

बीकानेर। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के 21 चिकित्सा शिक्षकों को पदोन्नति मिली है। राज्य के मेडिकल कॉलेज में कार्यरत बड़ी संख्या में चिकित्सा शिक्षकों की डीपीसी हुई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग में विषयवार पदोन्नति करते हुए आदेश जारी कर दिए। सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक के अधीक्षक डॉक्टर संजीव बुरी का चयन प्रोफेसर फॉरेंसिक मेडिसिन के पद पर हुआ है। इससे पूर्व वे पातेय वेतन के प्रोफेसर थे। इसी प्रकार ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन में डॉ एनएल महावर सीनियर प्रोफेसर और डॉ अरुण भारती प्रोफेसर बन गए हैं। पैथोलॉजी में डॉ नितिन चितलंगिया सीनियर प्रोफेसर, डॉ सुनीता कुलहरि, डॉ विजेता मोदी, डॉ सरोज ओला, डॉ नीतिका मनोज मीना चारों प्रोफेसर, बायोकेमिस्ट्री में डॉ सुरेंद्र जीनगर प्रोफेसर , एनाटॉमी में डॉ कविता पाहुजा सीनियर प्रोफेसर, यूरोलॉजी में डॉ जेपी स्वामी प्रोफेसर , न्यूरोलॉजी में डॉ इंद्र पूरी प्रोफेसर, गेस्ट्रो में डॉ विनिता चौधरी प्रोफेसर , रेडियोथेरेपी में डॉ कमलेश हर्ष एसोसिएट प्रोफेसर, आर्थो में डॉ सुरेंद्र चोपड़ा एसोसिएट प्रोफेसर, सर्जिकल ऑंकोलॉजी में डॉ संदीप गुप्ता , कार्डियो थोरेसिक में डॉ सर्वेश शर्मा, जर्नल मेडिसिन डॉ बाबूलाल मीणा, न्यूरोसर्जरी में डॉ कपिलपारीक अभी प्रोफेसर तथा रेडियोथेरेपी डॉ कमलेश हर्ष एसोसिएट प्रोफेसर, बने हैं। जनरल सर्जरी में डॉ. रामकिशन काजला की रिव्यू डीपीसी करते हुए उन्हे सीनियर प्रो. बनाया गया है। उनकी पदोन्नति तिथि अप्रैल 20222 मानी गई है। गौरतलब है कि डॉ. काजला 2017 से 2019 तक निलंबित रहे थे। इस वजह से 2025 में प्रो. बने लेकिन उनकी पदोन्नति 2018 से मानी गई थी।

अग्नि नृत्य किया, 25 तक चलेंगे धार्मिक अनुष्ठान

बम्बलू। यहा कतरियासर गांव में जसनाथी संप्रदाय का चार दिवसीय माघ मेला शुरू हो गया है। यह मेला 25 जनवरी तक चलेगा। पारंपरिक अग्नि नृत्य इस मेले का मुख्य आकर्षण है। यह संप्रदाय का सबसे बड़ा मेला है, जिसका आरंभ पारंपरिक अग्नि नृत्य के साथ हुआ। इसमें दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। यह ऐतिहासिक मेला 500 से अधिक सालों से आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान संप्रदाय के अनुयायी एक-दूसरे से मिलते हैं और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेते हैं। मेले में आने वाले भक्तों के लिए हर समय भंडारे की व्यवस्था की गई है। जसनाथी संप्रदाय के संस्थापक संत जसनाथ जी महाराज को ऐसे संत के रूप में जाना जाता है, जिन्होंने अपने हाथों से 'झाल' का पेड़ लगाया था। यह तथ्य मेले के महत्व और संप्रदाय की गहरी जड़ों को दर्शाता है।

अवैध रिफिलिंग पर कार्रवाई से हड़कंप

बीकानेर। घरेलू गैस की अवैध रिफिलिंग के खिलाफ रसद विभाग ने बुधवार को सख्त कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। जिला रसद अधिकारी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई से शहर में अवैध गैस कारोबारियों में हड़कंप मच गया। यह कार्रवाई पीबीएम अस्पताल के पास संचालित एक दुकान पर की गई, जहां घरेलू गैस सिलेंडरों की गैरकानूनी रिफिलिंग की जा रही थी। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि मुखबिर से प्राप्त पुख्ता सूचना के आधार पर टीम ने विपुल ठाकुर पुत्र महानंद ठाकुर की दुकान पर दबिश दी। मौके पर घरेलू गैस सिलेंडरों से छोटे सिलेंडरों और ऑटो रिक्शा में गैस भरने का कार्य किया जा रहा था। कार्रवाई के दौरान 18 घरेलू गैस सिलेंडर, 2 कांटे और 3 गैस रिफिलिंग मशीन जब्त की गईं। अवैध रूप से गैस को ऑटो रिक्शा में भरा जा रहा था, की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकता था।

नाम बदलने से नहीं, काम देने से पेट भरता है

कालू। कांग्रेस नेता डॉ. राजेंद्र मुंड की 'मनरेगा बचाओ महासंग्राम यात्रा' कालू क्षेत्र के ग्राम रावांसर पहुंची। इस दौरान डॉ. मुंड ने कहा कि योजनाओं के नाम बदलने से नहीं, बल्कि काम देने से लोगों का पेट भरता है। यात्रा के दौरान रावांसर में ग्रामीणों ने कहा कि उन्हें योजनाओं के नाम बदलने वाली राजनीति नहीं, बल्कि काम की गारंटी चाहिए। ग्रामीणों ने मनरेगा के तहत काम की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। डॉ. मुंड ने आरोप लगाया कि जनहित की योजनाओं के नाम बदलकर जनता को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धरातल पर मनरेगा का बजट काटकर इसे खत्म करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह यात्रा मजदूरों को उनका हक दिलाने के लिए है। डॉ. मुंड ने घोषणा की कि जब तक मजदूरों को उनका अधिकार नहीं मिल जाता, रावांसर से उठी यह आवाज शांत नहीं होगी।

अनियमितताओं का आरोप लगाया

सूरतगढ़। सूरतगढ़ में कांग्रेस पार्टी ने उपखंड अधिकारी कार्यालय पर बड़ा प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर बुधवार शाम को सूरतगढ़ में कांग्रेस पार्टी ने उपखंड अधिकारी कार्यालय पर बड़ा प्रदर्शन किया और सब-रजिस्ट्रार विनोद गोदारा को ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दबाव में बूथ लेवल ऑफिसर्स द्वारा हजारों मतदाताओं के नाम जानबूझकर मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं, जो चुनाव आयोग के नियमों का खुला उल्लघंन है। प्रदर्शन का नेतृत्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष परसराम भाटिया, पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह भादू, वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश गेदर, यूथ कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता योगेश मेघवाल, जिला महासचिव जेपी गिला और नगर अध्यक्ष जयप्रकाश गहलोत ने किया। संगठन महामंत्री अनिल रोकना, प्रवक्ता सहदेव जोशी, मंडल अध्यक्ष श्योपत राम भोभरिया, कमलेश मीणा, एडवोकेट कंचन धारीवाल, मुस्तफा कुरैशी, सतनाम वर्मा, अमर सिंह राठौड़ सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि एर्डे के दौरान दावा-आपत्ति की अवधि 12 सितंबर से 15 जनवरी तक थी।

भाजपा मंडल प्रभारियों की घोषणा

बीकानेर। भारतीय जनता पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निर्देशानुसार भाजपा बीकानेर शहर जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़ द्वारा मंडल प्रभारियों की घोषणा की गई।जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड़ ने सभी नवनियुक्त मंडल प्रभारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी प्रभारी संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाएंगे तथा केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे । मीडिया संयोजक कमल गहलोत ने जानकारी देते हुए बताया कि घोषित सूची में जिला प्रवक्ता जोगेंद्र शर्मा को पुरानाशहर मंडल का प्रभारी,जिला महामंत्री श्याम सिंह हाडला को नयाशहर मंडल का प्रभारी,जिला महामंत्री राजेंद्र पंवार को जस्सूसर मंडल का प्रभारी,जिला कार्यालय सह मंत्री रामकुमार व्यास को गोपेश्वर मंडल का प्रभारी,जिला मंत्री विनोद करोल को मुक्ताप्रसाद मंडल का प्रभारी,जिला उपाध्यक्ष मोतीलाल हर्ष को लालगढ़ मंडल का प्रभारी,जिला कोषाध्यक्ष गोपाल अग्रवाल को जूनागढ़ मंडल का प्रभारी,जिला उपाध्यक्ष दीपक पारिक को गंगाशहर मंडल का प्रभारी,जिला महामंत्री कौशल शर्मा को रानीबाजार मंडल का प्रभारी, जिला मंत्री तरुण स्वामी को शिवबाड़ी मंडल का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

सरस्वती स्तोत्रम् पाठ के साथ प्रारंभ हुआ वसंतोत्सव

- प्रातः पुजारी विजय कुमार छंगाणी के सानिध्य में विधि-विधान से मां सरस्वती को समर्पित उक्त 108 पाठ का पठन कर पूजन किया

बीकानेर। प्रज्ञालय संस्थान द्वारा आयोजित होने वाले दो दिवसीय वसंतोत्सव के प्रथम दिन आज प्रात: नत्थूसर गेट बाहर स्थित लक्ष्मीनारायण रंगा सृजन सदन परिसर में मां सरस्वती के भव्य मन्दिर में सरस्वती स्तोत्रम् पाठ के साथ प्रारंभ हुआ। मन्दिर प्रन्यास के राजेश रंगा एवं तोलाराम सारण ने बताया कि आज प्रात: पुजारी विजय कुमार छंगाणी के सानिध्य में विधि-विधान से मां सरस्वती को समर्पित उक्त 108 पाठ का पठन कर पूजन किया गया।इस अवसर पर वसन्तोत्सव के खास तौर से आध्यात्मिक महत्व पर अपनी बात रखते हुए राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार कमल रंगा ने बताया कि वसन्त उत्सव जहां भारतीय संगीत, साहित्य एवं कला में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इसी तरह इसका अपना आध्यात्मिक महत्व है। तभी तो कालिका पुराण में भी वसन्त का सुंदर वर्णन मिलता है।रंगा ने आगे कहा कि भगवान कृष्ण ने गीता में स्वयं को ऋतुओं का वसंत कहा है वे स्वयं सारे देवताओं और परम शक्तियों में सबसे अलग है। वैसे ही वसंत ऋतुओं में अलग पहचान रखते हुए ऋतुओं की राजा कहलाता है।

इस अवसर पर शिक्षाविद् भवानीसिंह, हरिनारायण आचार्य ने भी वसंत के महत्व को रेखांकित करते हुए उसकी प्रासंगिकता बताई।कार्यक्रम का संचालन युवा संस्कृतिकर्मी आशीष रंगा ने किया एवं सभी का आभार मन्दिर प्रन्यासी तोलाराम सारण ने ज्ञापित किया।

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसे कामों के लिए जाना होगा 8 किमी दूर

बीकानेर यहा गंगाशहर में नगर निगम का आफिस बंद हो सकता है। अगर बंद नहीं हुआ तो अन्यत्र शिफ्ट होगा। निगम आफिस जिस बिल्डिंग में निगम आफिस चल रहा था वो अब खाली करना होगा क्योंकि न्यायालय ने भवन खाली करने को कहा है। अगर ऐसा हुआ तो जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र समेत कई कामों के लिए लोगों को 8 किमी दूर आना होगा। दरअसल 5 दशक पहले किसी व्यक्ति ने अपनी निजी भूमि नगर निगम को दी थी। उसका किराया भी बहुत कम 50 रुपए के आसपास ही था। करीब 50 साल बाद उस प्रॉपर्टी के मालिक के वारिसान आ गए। उन्होंने खाली करने को कहा था। जब निगम ने खाली नहीं किया तो मामला न्यायालय में पहुंचा। हाल ही में न्यायालय ने किराये का निणन्य करते हुए भवन खाली करने को कहा है। निगम आज के समय का किराया देकर वहां आफिस चलाना नहीं चाहता। ऐसे में गंगाशहर आफिस बंद हो सकता है। ये चर्चा 2018 में भी चली थी कि निगम गंगाशहर अ?फिस बंद करने जा रहा ?है। तब भी तत्कालीन जनप्रनिधियों ने आफिस बरकरार रखने के लिए कहा था। हालांकि उस समय मामला टल गया मगर इस बार न्यायालय का निणन्य आने के बाद जिस भवन में अभी ऑफिस चल रहा है वो तो खाली करना ही होगा। अगर दूसरा आफिस नहीं खुला तो लोगों को 8 किमी दूर चलकर निगम आफिस में जन्म-मृत्यु जैसे काम के लिए आना होगा।

काउंसलर और करियर गाइड की नियुक्ति अनिवार्य

बीकानेर। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और करियर मार्गदर्शन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी निर्णय लिया है। बोर्ड ने अपने सभी संबद्ध माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में काउंसलिंग एवं वेलनेस शिक्षक तथा करियर काउंसलर की नियुक्ति को अनिवार्य कर दिया है।
इस संबंध में सीबीएसई द्वारा 19 जनवरी को एक सर्कुलर जारी किया गया है। सीबीएसई संबद्धता उपविधि 2018 की धारा 2.4.12 में संशोधन करते हुए बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि अब प्रत्येक स्कूल में हर 500 विद्यार्थियों पर एक काउंसलर नियुक्त करना अनिवार्य होगा। इसके अंतर्गत काउंसलर-विद्यार्थी अनुपात 1:500 रखा गया है। कक्षा 9 से 12 तक 300 से कम नामांकन वाले विद्यालयों को काउंसलर की आंशिक (पार्ट-टाइम) नियुक्ति की अनुमति दी गई है। नई व्यवस्था के तहत काउंसलिंग एवं वेलनेस शिक्षक (सामाजिक-भावनात्मक काउंसलर) के लिए मनोविज्ञान, सामाजिक कार्य (मानसिक स्वास्थ्य/ काउंसलिंग) अथवा स्कूल काउंसलिंग में डिप्लोमा या डिग्री अनिवार्य की गई है।

रेंज में पिछले साल की तुलना में 8.76 प्रतिशत अपराध घटे

बीकानेर, यहा रेंज के चारों जिलों में हत्या, लूट-डकैती, दुष्कर्म जैसे अपराध कम हुए जिससे पुलिस को राहत मिली है। रेंज स्तर पर नवाचार भी किए गए हैं जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार होगा और अपराधियों के खिलाफ अभियान में सहयोग मिलेगा। बीकानेर रेंज कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक वर्ष, 24 की तुलना में 25 में अपराधों में 8.76 प्रतिशत की कमी आई है। हत्या के मामलों में 30.60 प्रतिशत, दुष्कर्म में 18.46, नाबालिगों से दुष्कर्म में 7.34, डकैती में 20, लूट में 47.57, हत्या का प्रयास में 23.35, अपहरण-व्यपहरण में 7.52, नकबजनी में 21.27, चोरी में 43.36 प्रतिशत कमी आई है। हालांकि, एनडीपीएस, आर्म्स एक्ट, ध्वनि प्रदूषण के मामले बढ़े हैं। इसके अलावा महिला अत्याचार के मामलों में 9.80 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

रेंज में नवाचार .दुर्घटनाओं की निगरानी, डेटा विश्लेषण एवं नियंत्रण के लिए रेंज स्तरीय पोर्टल तैयार किया। इससे सड़क दुर्घटनाओं में वर्ष, 24 की तुलना में 3.73 प्रतिशत की कमी आई है . गैंग और क्रिमिनल रिकॉर्डस मैनेजमेंट सिस्टम जिसमें केन्द्रीयकृत डिजिटल डेटा संग्रह किया। अब तक 250 से ज्यादा का रिकॉर्ड अपडेट हो चुका है।

रोटरी क्लब मिडटाउन का चार्टर डे दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया

- क्लब अध्यक्ष रघुवीर झँवर ने इस अवसर पर कहा कि रोटरी का मूल मंत्र स्वयं से पहले सेवा है, और रोटरी आपसी मैत्री, सहयोग तथा मानवीय संवेदना का सशक्त मंच है।

बीकानेर। रोटरी क्लब बीकानेर मिडटाउन का चार्टर डे इस वर्ष सेवा, संवेदना और मैत्री की भावना के साथ दिव्यांग सेवा संस्थान, नोखा रोड में दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कूब के सभी रोटरी साथियों ने उपस्थित होकर दिव्यांग बच्चों के साथ आत्मीय समय बिताया एवं उनके लिए विशेष भोज का आयोजन किया।

क्लब अध्यक्ष रघुवीर झँवर ने इस अवसर पर कहा कि रोटरी का मूल मंत्र स्वयं से पहले सेवा है, और रोटरी आपसी मैत्री, सहयोग तथा मानवीय संवेदना का सशक्त मंच है। उन्होंने बताया कि चार्टर डे को सेवा-भाव से जोड़ते हुए दिव्यांग बच्चों के साथ भोजन कराना इसी रोटरी दर्शन का जीवंत उदाहरण है।

क्लब सचिव आलोक थिरानी ने जानकारी दी कि कार्यक्रम के दौरान रोटरी सदस्यों ने अपने हाथों से बच्चों को स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन परोसा। बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान ने इस सेवा को सार्थक बना दिया। उन्होंने कहा कि रोटरी केवल कार्यक्रमों का नाम नहीं, बल्कि निरंतर सेवा की भावना है।संस्थान के संचालकों ने रोटरी कूब बीकानेर मिडटाउन के सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन दिव्यांग बच्चों में आत्मविश्वास और अपनत्व की भावना को मजबूत करते हैं ।

उल्लेखनीय है कि क्लब का गठन वर्ष 2013 में चार्टर अध्यक्ष विमल चांडक के नेतृत्व में सेवा-भाव के उद्देश्य से किया गया था। तब से लेकर आज तक कूब ने स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित किए हैं।कार्यक्रम में रोटरी साथी निखिल महेश्वरी, सुरेश राठी, आलोक थिरानी, विमल चांडक, रघुवीर झँवर सहित बड़ी संख्या में क्लब सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर इस चार्टर डे को सेवा और करुणा का पर्व बना दिया।

प्रदर्शनी का अवलोकन

बीकानेर। जुबली नागरी भण्डार के 119वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित हो रहे तीन दिवसीय बसन्त महोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर (नगर) रमेश देव ने महारानी सुदर्शन कला दीर्घा में लगी चित्रकला प्रदर्शनी को अवलोकन किया।

उन्होंने चित्र प्रदर्शनी में लगे चित्रों को बीकानेर की कला और संस्कृति का आईना बताया और सभी कलाकारों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बीकानेर में कला एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित हो रही है, यह अच्छे संकेत हैं। दिन भर में अनेक लोगों ने इस प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस वरिष्ठ साहित्यकार संजय पुरोहित सहित अनेक लोग मौजूद रहे। प्रदर्शनी के दौरान बीकानेर के वरिष्ठ चित्रकार जिसमें पृथ्वी सिंह राजपुरोहित, कलाश्री, धर्मा स्वामी, बरकत अली, एस के हटीला, भूरमल सोनी, एस के नाथ, डॉ. मोना सरदार डूडी मुकेश जोशी, कमल किशोर जोशी, राम कुमार भादाणी, प्रिया मारू, आयुषी तवर, गणेश ओझा, लेखक व्यास, राधिका छंगाणी, राधे व्यास सहित 60 से अधिक बाल, युवा व वरिष्ठ कलाकारों ने 100 से अधिक चित्र प्रदर्शित किए गए हैं।प्रदर्शनी का समापन शुक्रवार सायं 7 बजे होगा। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे।

वीबी-जी-राम-जी अधिनियम: 26 जनवरी से 8 मार्च तक आयोजित होगा जन संवाद

बीकानेर। विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम 2025 के प्रचार-प्रसार के लिए 26 जनवरी से 8 मार्च तक जन संवाद और आईईसी की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल ने इसके लिए आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि विकसित भारत जी राम जी अधिनियम, ग्रामीण रोजगार गारंटी, पारदर्शी मजदूरी भुगतान और विकेन्द्रीकृत पंचायत प्लानिंग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अधिनियम के कानूनी प्रावधानों और फायदों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा सघन जन संवाद आधारित सूचना, शिक्षा और संचार कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके लिए छह सप्ताह का कलैण्डर निर्धारित करते हुए संबंधित अधिकारियों को पूर्ण गंभीरता से कार्य करने के लिए निर्देशित किया गया है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि पहले सप्ताह 26 जनवरी से 1 फरवारी तक 'भ्रम बनाम तथ्य' तथा 'रोजगार से परिसंपति' तक विषय पर मीडिया संवाद आयोजित किया जाएगा। इसके तहत वीबी-जी राम जी अधिनियम की वैधानिक विशेषताओं पर सार्वजनिक स्पष्टता सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि दूसरे सप्ताह के तहत 2 से 8 फरवरी तक 'अधिकार संरक्षण संकल्प दिवस' मनाए जाएंगे। इस दौरान ग्राम स्तर पर सामूहिक शपथ पाठ तथा बैनर पोस्टर के माध्यम से अधिनियम के प्रावधानों को प्रचारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 'विकसित भारत ग्राम संवाद' के तहत तीसरे सप्ताह 9 से 15 फरवरी तक चौपाल, ग्राम सभाओं और ग्राम स्तरीय बैठको का आयोजन तथा दीवार लेखन एवं फ्लेक्स बैनर के माध्यम से ग्राम स्तर पर अधिनियम की बुनियादी समझ बनाने तथा अधिकारो एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट जानकारी दी जाएगी। इसी क्रम मे 16 से 22 फरवरी तक चौथे सप्ताह के दौरान 'अहिंसा से अधिकार' थीम आधारित गतिविधियां होंगी। इनमे विद्यालयों मे पेंटिंग, भाषण एवं अन्य प्रतियोगिताएं, बच्चों की पेंटिंग का प्रदर्शन, रोजगार अधिकार जागरुकता यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि पांचवें सप्ताह में 23 फरवरी से 1 मार्च तक 'नए अधिनियम की बात, पंचायती राज पदाधिकारियों के साथ' के तहत जिला एवं ब्लॉक स्तर पर पंचायती राज प्रतिनिधियों के साथ संवाद होगा। नए अधिनियम का प्रस्तुतीकरण होगा।

मेगा क्रिकेट टूर्नामेंट 24 से

बीकानेर ब्रांच के अध्यक्ष सीए हेतराम पूनिया ने बताया कि बीकानेर ब्रांच द्वारा मेगा क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन इनकम टैक्स डिपार्टमेंट, जीएसटी डिपार्टमेंट एवं बीकानेर के प्रमुख चार नेशनलाइज्ड बैंकों के बीच मेगा क्रिकेट टूर्नामेंट किया जा रहा है। यह टूर्नामेंट 24 जनवरी से 26 जनवरी तक सादुल स्पोर्ट्स स्कूल, बीकानेर में आयोजित होगा। विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के बीच आपसी सहयोग, खेल भावना और सामाजिक जुड़ाव को बढ़ावा देना है। इस टूर्नामेंट में कुल आठ टीमें भाग लेंगी जिनमें सीए लिजेंड, किसान कूब, एसबीआई लायंस, एसबीआई किंग, बीओबी वर्ल्ड, स्टेट जीएसटी, इनकम टैक्स 11 तथा केनरा टीम शामिल हैं। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे और खिलाडि़यों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। सभी सीए सदस्यों एवं नागरिकों से अनुरोध है कि इस मेगा क्रिकेट टूर्नामेंट में उपस्थित होकर खिलाडि़यों का उत्साहवर्धन करें और इस खेल महोत्सव का हिस्सा बनें।

जिले के 2 हजार 114 राजकीय स्कूलों में आज होगी मेगा पीटीएम

बीकानेर,। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार शुक्रवार को जिले के 2 हजार 114 राजकीय विद्यालयों मे मेगा पीटीएम एवं निपुण मेला आयोजित किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग कार्यालय तथा जिला स्तरीय विद्यालयी कार्यक्रम राजकीय महारानी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया जाएगा।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी महेन्द्र शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान नि:शुल्क साइकिल वितरण तथा परिवहन वाउचर राशि का डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण किया जाएगा। विद्यालयों में प्रात: 9.30 से प्रात: 11.30 बजे तक मेगा पीटीएम आयोजित होगी। इसके तहत कक्षावार विद्यार्थी वार संवाद किया जाएगा। इसके पश्चात् दोपहर 12 बजे से मुख्यमंत्री के मुख्य आतिथ्य में होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण डीओआईटी तथा महारानी स्कूल के अलावा विभिन्न स्कूलों मे भी होगा। मध्यांतर में कृष्ण भोग का आयोजन होगा और दोपहर 2.30 से सायं 4 बजे तक निपुण मेले का आयोजन किया जाएगा।

शर्मा ने बताया कि जिला कलक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि ने गुरुवार को इससे जुड़ी तैयारियों की समीक्षा की तथा सभी विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्धारित समय पर मेगा पीटीएम शुरू करने तथा इस संबंध में राज्य सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों की अक्षरश: पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मेगा पीटीएम की शुरूआत अभिभावक अभिवादन से होगी। इस दौरान विद्यालय के विजन के संबंध मे संक्षिप्त चर्चा, शिक्षक-अभिभावक बैठक, अकादमिक आउटकम्स पर फोकस किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न बिंदुओ पर चर्चा की जाएगी।

हिन्दू सम्मेलन की तैयारियां

पूंगल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में देशभर में हिन्दू सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। पूगल खंड के विभिन्न गांवों में भी इन सम्मेलनों की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता और सर्व हिन्दू समाज के लोग इन आयोजनों को लेकर काफी उत्साहित हैं। गांवों में स्थानीय स्तर पर टोलियां बनाकर हिन्दू सम्मेलनों का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

बुधवार को संघ कार्यकर्ताओं ने जगासर मंडल में आगामी 27 जनवरी को चक 9, 11एसएमडी ममूवाला स्थित बाबा हरिराम के मंदिर में होने वाले हिन्दू सम्मेलन के लिए पीले चावल बांटकर सर्व हिन्दू समाज से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। पूगल खंड के राणेवाला में 1 फरवरी और शिवनगर में 3 फरवरी को आयोजित होने वाले सम्मेलनों के लिए भी बैठकें आयोजित की गईं। इन बैठकों में कार्यकर्ताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

सार-समाचार

साइबर अपराधियों पर नकेल के लिए पुलिस को प्रशिक्षण

बीकानेर, राजकीय डूंगर कॉलेज परिसर में एडवांस्ड एंटरप्राइज डिजिटल फॉरेंसिक्स एवं इंसिडेंट रिस्पॉन्स विषय पर पुलिस कर्मियों को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शिविर में 19 पुलिस कर्मियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण के बाद कार्मिकों की साइबर अपराध जांच एवं डिजिटल फॉरेंसिक्स के क्षेत्र में तकनीकी क्षमता में वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को साइबर फॉरेंसिक्स के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक दोनों पहलुओं से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण में चर्चा के साथ-साथ व्यावहारिक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें थ्रेट हंटिंग एवं मोबाइल फॉरेंसिक्स पर साइबर फॉरेंसिक्स विशेषज्ञ द्वारा हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन सत्रों के माध्यम से वास्तविक साइबर अपराध जांच से संबंधित व्यावहारिक अनुभव साझा किए गए। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) बीकानेर केंद्र प्रभारी कपिल नायल ने बताया कि प्रशिक्षित पुलिसकर्मी साइबर अपराध मामलों को प्रभावी ढंग से निपटाने तथा डिजिटल घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया में दक्ष हो सकेंगे। इसमें इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के विशेषज्ञ द्वारा एक लाइव विशेषज्ञ व्याख्यान भी दिया गया। इसमें उभरते साइबर खतरों, राष्ट्रीय स्तर पर साइबर अपराध समन्वय तंत्र तथा डिजिटल जांच से जुड़ी कार्यप्रणालियों पर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

वेटरनरी कॉलेज का कृषकों ने किया भ्रमण

बीकानेर, । राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय, में गुरुवार को आत्मा योजना अंतर्गत संगरियां, पीलीबंगा, हनुमानगढ़, टिब्बी, नोहर, रावतसर, भादरा व पलू क्षेत्र के किसानों के दल ने अन्तराराज्यीक कृषक भ्रमण के तहत वेटरनरी महाविद्यालय, बीकानेर का भ्रमण किया। निदेशक प्रसार शिक्षा प्रो. राजेश कुमार धूड़िया ने किसानों को विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रसार गतिविधियोंएवं पशुपालकों के लिए विश्वविद्यालय की विभिन्न उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्रदान की। डॉ. संजय सिंह के निर्देशन में कृषकों ने महाविद्यालय परिसर में स्थित डेयरी फार्म, पोल्ट्री फार्म एवं पशुओं के इलाज हेतु क्लिनिक्स का दौरा किया एवं उन्नत प्रबंधन एवं पशुचिकित्सा सुविधाओं को देखा। सहायक कृषि अधिकारी परमिन्द्र सिंह एवं रामेश्वर लाल कृषक भ्रमण दल के समन्वयक रहे।

नई कार्यसमिति गठित

नोखा। भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) जिला बीकानेर की नई कार्यसमिति का गठन नोखा में किया गया है। इस कार्यसमिति में नोखा के बिजली कर्मचारी नेता नरेंद्र कुमार छींपा को कार्यकारी जिलाध्यक्ष का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। छींपा ने अपनी नियुक्ति पर प्रदेश भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व का आभार व्यक्त किया। उन्होंने संगठन की नीतियों और श्रमिक हितों के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया। उनकी नियुक्ति पर राजस्थान बिजली श्रमिक महासंघ के प्रदेश संगठन मंत्री चुन्नीलाल राजस्थानी, डिस्कॉम उपाध्यक्ष प्रेमसुख, डिस्कॉम सदस्य भंवर सिंह बीदावत, भीमसेन भाटी, उपखंड अध्यक्ष बजरंग खीचड़, महामंत्री धन्नाराम कुलडि़या, ओमप्रकाश साध, मनीष पारीक, महादेव सेन और महेश पारीक सहित कई पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर नोखा स्थित संगठन कार्यालय में छींपा का पुष्पमालाओं से अभिनंदन और स्वागत किया गया।

अनूपगढ़ में ईंट भट्ठा मजदूरों का विरोध प्रदर्शन

अनूपगढ़। यहां ईंट भट्ठा लेबर यूनियन (सीटू) ने अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। यूनियन ने पहले पब्लिक पार्क में एक सभा का आयोजन किया, जिसके बाद बड़ी संख्या में मजदूर एसडीएम कार्यालय पहुंचे। मजदूरों ने एसडीएम सुरेश राव को अपनी मांगों और समस्याओं के समाधान के लिए एक ज्ञापन सौंपा।

सीटू के गुरनाम सिंह ने बताया-ज्ञापन में मुख्य रूप से ईंट भट्टों पर जलाई का समय 1 दिसंबर से 31 मई तक करने की मांग की गई है। इसके अलावा, मजदूरों को निर्माण उद्योग में शामिल कर सभी संबंधित सुविधाएं दिलवाने, केंद्र सरकार की 'हर घर को नल से जल' योजना का लाभ देने और मजदूरों का ई-श्रम कार्ड योजना के तहत पंजीकरण करवाने की मांग भी शामिल है। अन्य मांगों में स्वच्छ भारत अभियान के तहत मजदूरों की झुग्गी-झोपडि़यों में शौचालय बनवाने, उनके लिए मोबाइल चिकित्सा की व्यवस्था करने, ईंट भट्टों के पास स्कूलों की व्यवस्था करने और मजदूरों को घरेलू दर पर बिजली उपलब्ध करवाने की बात कही गई।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए दर्शायी गई तिथि में सील की गई खुली निविदा आमंत्रित करते हैं। **(1) निविदा संख्या:** एस.एण्ड.टी./बी.के.एन-25-26-35 **(2) कार्य का नाम व स्थान:** बीकानेर मंडल के 8 मानवयुक्त समपार गेटों (सिरसा-बठिंडा) सेक्शन LC-138, 159A, 147,120, 180, 159, 170, 152 के इंटरलॉकिंग का प्रावधान। **(3) अनुमानित लागत मूल्य:** ₹ 40633127.78/- **(4) बिड सिक्यूरिटी राशि:** ₹ 353200.00/- **(5) निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय:** 11.02.2026 को 15.00 बजे तक **(6) वेबसाइट जहाँ निविदा का पूरा विवरण देखा व डाउनलोड किया जा सकता है:** www.ireps.gov.in 122-DK/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए दर्शायी गई तिथि में सील की गई खुली निविदा आमंत्रित करते हैं। **(1) निविदा संख्या:** एस.एण्ड.टी./बी.के.एन-25-26-36 **(2) कार्य का नाम व स्थान:** बीकानेर मंडल के 8 मानवयुक्त समपार गेटों (भिवानी-हिसार LC-82, 67, 88J, 87 तथा हिसार-सिरसा सेक्शन में LC-118, 119, 115, 99 के इंटरलॉकिंग का प्रावधान। **(3) अनुमानित लागत मूल्य:** ₹ 42196819.32/- **(4) बिड सिक्यूरिटी राशि:** ₹ 361000.00/- **(5) निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय:** 11.02.2026 को 15.00 बजे तक **(6) वेबसाइट जहाँ निविदा का पूरा विवरण देखा व डाउनलोड किया जा सकता है:** www.ireps.gov.in 121-DK/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम) एसबीयू एण्ड पीसी-जिप्सम, 02, गांधी नगर, स्कीम, बीकानेर- 334001
फोन नं. : 0151-200171-73, फैक्स : 0151-2523519/2202842

निविदा सूचना दिनांक :- 20/01/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
RSMM/GYP/F&A/Cont-03/ 2025-26 Dated 16.01.2026 UBN No. MML2526SSOB00142	एसबीयू एवं पीसी-जिप्सम, बीकानेर कार्यालय के वित्त विभाग हेतु पेशेवर सेवाएँ उपलब्ध करवाने का कार्य (निविदानुसार)। अनुमानित मूल्य (रू.) 4.99 लाख धरोहर राशि (रू.) – 9,980/–, निविदा राशि– 590/–

विस्तृत जानकारी हेतु विभाग की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in और www.eproc.rajasthan.gov.in और अथवा प्रमुख एवं प्रभारी-जिप्सम, बीकानेर से सम्पर्क कर सकते है।
राज.संवाद/सी/25/18238 उप महाप्रबन्धक (का. एवं प्रशा.)

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

सं. 86ऐसी/पार्किंग & पे एण्ड यूज शौचालय/ई-नीलामी/2025, दि.: 21.01.2026. मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से बीकानेर मण्डल पर एम एस एस, Advertisement – out of Home, Advertisement on station premise Digital, Advertisement on station premise Non –Digital, Advertisement – Train Exterior (Below window), पे एंड यूज टॉयलेट, पार्किंग, ठेको के लिए ईऑक्शन प्रारम्भ किये गये हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

केटलॉग संख्या	कार्य का नाम एवं स्थान	ई-ऑक्शन की दिनांक व समय
EA-MSS-BKN-PS-1	श्रीगंगानगर,भिवानी,हनुमानगढ़ रेलवे स्टेशन पर प्रीमियम स्टोर की स्थापना संचालन और रखरखाव के सम्बन्ध में।	दिनांक 27.01.2026 समय 11:00 बजे ई-ऑक्शन होगा।
EA-ADVT-17	Advertisement-out of Home at :- गोगामेड़ी, नोहर, बडागुड़ा, रतनगढ़, सूरतगढ़, रायसिंहनगर, सतनाली, श्रीगंगानगर, भवानी खेड़ा, लोहरू, सादुलपुर । Advertisement on station premise Digital at:- मण्डीडबवाली। Advertisement on station premise Non –Digital at:- सूरतगढ़, तहसील भादरा, चूरू, बीकानेर, हनुमानगढ़, सिरसा व सादुलपुर।	दिनांक 27.01.2026 समय 13:00 बजे ई-ऑक्शन होगा।
EA PNU 02	लालगढ़ रेलवे स्टेशन पर पे एण्ड यूज टॉयलेट की साफ-सफाई हेतु।	दिनांक 27.01.2026 समय 15:00 बजे ई-ऑक्शन होगा।
EA-EBW-VW-4	Advertisement –Train Exterior (Below window):- Train No. 22471/72 LGH-DEE Exp with Link 20473/74 DEE-UDZ EXP.	दिनांक 28.01.2026 समय 10:00 बजे ई-ऑक्शन होगा।
EA PNU 03	सरसा, सूरतगढ़, मण्डीडबवाली, कोसली, रतनगढ़, चरखीदादरी रेलवे स्टेशनों पर पे एण्ड यूज टॉयलेट की साफ-सफाई हेतु।	दिनांक 02.02.2026 समय 11:00 बजे ई-ऑक्शन होगा।
EA PARKING 02	कोसली, गोगामेड़ी, श्रीकरणपुर, लालगढ़ रेलवे स्टेशनों पर साइकिल, स्कूटर, मोटर साइकिल, कार पार्किंग स्टेण्ड।	दिनांक 02.02.2026 समय 15:00 बजे ई-ऑक्शन होगा।

अन्य सूचना एवं नियम व शर्तों के लिये IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉगिन करें। 119-DK/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

किसान सशक्त होता है तो गाँव, प्रदेश व देश प्रगति करता है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने सिरोही में किसान सम्मान निधि हस्तानांतरण किया व ग्राम उत्थान शिविर का शुभारंभ किया

जयपुर/सिरोही/जालोर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान भारत की आत्मा है। जब किसान सशक्त होता है तो गांव, प्रदेश और देश प्रगति करता है। उन्होंने कहा कि हम संकल्प पत्र में किए गए वादों को लगातार पूरा कर रहे हैं तथा हमारी सरकार किसानों के कल्याण एवं समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सिरोही में कार्यक्रम स्थल पर आयोजित कृषि प्रदर्शनी में सहकारिता, पशुपालन, एफपीओ एवं प्रगतिशील किसान, कृषि उद्यमी और एग्री स्टार्टअप सहित अन्य स्टालों का अवलोकन किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को सिरोही में किसान सम्मान निधि के हस्तानान्तरण एवं ग्राम उत्थान शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोगाराम कुमावत, जालोर-सिरोही सांसद लुम्बाराम चौधरी मौजूद थे।

कि 23 जनवरी (बसंत पंचमी) से प्रदेश के प्रत्येक गिरदावर सर्कल पर ग्राम उत्थान शिविरों को आयोजन किया जाएगा।

शर्मा गुरूवार को सिरोही में किसान सम्मान निधि के हस्तानान्तरण एवं ग्राम उत्थान शिविर के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन दो वर्ष पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सांस्कृतिक विरासत एवं दशकों से लंबित मांग को पूरा कर अयोध्या में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा की गई थी।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रदेश के एक करोड़ से अधिक किसान, महिला एवं श्रमिक लाभार्थियों को 1 हजार 590 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे उनके खातों में भेजी। उन्होंने 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' की पांचवीं किस्त के रूप में प्रदेश के 65 लाख से अधिक किसानों के खातों में 653 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी की, साथ ही 5 लाख किसानों को फसल खराबे पर 327 करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा दिया गया।

शर्मा ने समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए 10 हजार से अधिक किसानों को 240 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई तथा मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत 4 लाख पशुपालकों को 50 करोड़ की राशि भेजी गई। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने रसोई गैस सब्सिडी योजना के 30 लाख से अधिक लाभार्थियों को 75 करोड़ रुपये से अधिक राशि प्रदान की गई तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के 20 हजार लाभार्थियों को 100 करोड़ रुपये की राशि दी गई। मुख्यमंत्री ने एक लाख निर्माण श्रमिकों को 100 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की। इस दौरान 40 करोड़ रुपये के कृषि उपकरणों का वितरण भी किया गया।

पंचायतीराज एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री ओटाराम देवासी ने कहा कि राज्य सरकार ने दो वर्ष में सिरोही को विकास के लिए अनेक सौगातें दी हैं।

इस दौरान ग्राम उत्थान शिविरों का लघु वीडियो फिल्म के माध्यम से शुभारंभ किया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर आयोजित कृषि प्रदर्शनी में सहकारिता, पशुपालन, एफपीओ एवं प्रगतिशील किसान, कृषि उद्यमी एवं एग्री-स्टार्टअप सहित, अन्य स्टॉल्स का अवलोकन किया।

कार्यक्रम में रामलला प्रतिमा का विधिवत पूजन किया गया। कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री ने राजस्थान के मूल निवासी एवं महाराष्ट्र सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवंगत राज के. पुरोहित को पुष्पांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, सांसद लुम्बाराम चौधरी, विधायक समाराम गरासिया, पुष्पेन्द्र सिंह राणावत, जीवाराम चौधरी, शोभा चौहान, छगनसिंह राजपुरोहित, हमीर सिंह भायल सहित, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं किसान उपस्थित थे।

डोडा सड़क हादसे में दस जवान शहीद

जम्मू, 22 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को एक भीषण सड़क हादसे में सेना के एक वाहन के गहरी खाई में गिर जाने से 10 जवानों की मौत हो गयी और 11 अन्य घायल हो गए।

यहां अधिकारियों ने बताया कि सेना का कैस्पर वाहन भद्रवाह-चंबा सड़क पर थानाला के ऊपरी इलाके खन्नीटॉप के पास फिसलन भरी सड़क के कारण, करीब 300 फीट गहरी खाई में गिर गया। यह टीम एक टीम ऑपरेशन

- **सैन्य दल एक कार्यवाही के लिए जा रहा था खन्नी टॉप के पास सेना का वाहन 300 फीट गहरी खाई में गिर गया।**

के लिए जा रही थी। यह हादसा इतना भयावह था कि वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जिला प्रशासन के अनुसार, वाहन में सेना के कुल 21 जवान सवार थे, जिनमें से 10 की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल 10 जवानों को ऊधमपुर के कमांड अस्पताल में तत्काल उपचार के लिए एयरलिफ्ट किया गया है, जबकि मामूली रूप से घायल एक जवान का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है।

जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उपराज्यपाल ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा देश एकजुट होकर उनके साथ खड़ा है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस हृदय विदारक त्रासदी पर गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने इस घटना को पूरे जम्मू-कश्मीर के लिए एक बड़ी त्रासदी बताते हुए प्रशासन को घायलों के उपचार में कोई कसर न छोड़ने के निर्देश दिए।

केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने सोशल मीडिया पर बताया कि इस दुखद दुर्घटना के बारे में जानकर गहरा सदमा लगा है।

मुम्बई, पुणे सहित 15 मेयर पद महिलाओं के लिए आरक्षित

राज्य सरकार ने 29 प्रमुख महानगर पालिकाओं के मेयर पद के लिए आरक्षण योजना घोषित की

मुंबई, 22 जनवरी। महाराष्ट्र की राजनीति में स्थानीय निकायों के चुनावों को लेकर बड़ी हलचल शुरू हो गई है। राज्य की 29 प्रमुख महानगरपालिकाओं के महापौर पद के लिए आरक्षण की घोषणा कर दी गई है। इस बार के आरक्षण समीकरणों ने राज्य की 15 महानगरपालिकाओं की कमान महिलाओं के हाथों में सौंप दी है। मुंबई, पुणे, नागपुर और नवी मुंबई जैसे हाई-प्रोफाइल शहरों में अब सामान्य महिला वर्ग की महापौर चुनी जाएंगी।

29 में से 12 सीटें एसटी, एससी, ओबीसी कैटेगरी के लिए आरक्षित की गई हैं, जबकि 17 सीटें सामान्य वर्ग के लिए हैं। शिंदे के गढ़ ठाणे में महापौर एससी कैटेगरी का होगा। मुंबई में 8वीं बार किसी महिला को यह पद मिलेगा। इससे पहले किशोरी पेडनेकर मेयर थीं।

- **आरक्षण की घोषणा होते ही महाराष्ट्र की राजनीति में खलबली मच गई। शिवसेना (यूबीटी) ने इस व्यवस्था पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की और प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह जताया।**

आरक्षण की घोषणा होते ही राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) की नेता और पूर्व महापौर किशोरी पेडणेकर ने मुंबई महानगरपालिका के आरक्षण पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होंने सवाल उठाया कि ओबीसी आरक्षण के निर्धारण के समय मुंबई महापालिका की पर्ची क्यों नहीं डाली गई?

उन्होंने प्रक्रिया की पारदर्शिता पर संदेह व्यक्त किया है।

दूसरी ओर, नगर विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने इन आपत्तियों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आरक्षण की प्रक्रिया पूरी तरह नियमों के तहत अपनाई गई है और इसमें किसी भी प्रकार का पक्षपात नहीं हुआ है।

इस आरक्षण घोषणा के साथ ही, सभी राजनीतिक दलों ने महिला उम्मीदवारों की तलाश और चुनावी फील्डिंग सजानी शुरू कर दी है। विशेष रूप से मुंबई और पुणे जैसे शहरों में महिला पार्षदों का कद अब राजनीति में और बढ़ ने वाला है।

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन को "ज़ैड" सुरक्षा, तेजस्वी की सुरक्षा घटाई

बिहार की नीतीश सरकार ने राज्य के नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था में भारी बदलाव किए हैं

पटना, 22 जनवरी। बिहार की नीतीश सरकार ने राज्य के कई दिग्गज विधायकों की सुरक्षा श्रेणी में बड़ा बदलाव किया है। राज्य स्तरीय सुरक्षा समीक्षा समिति की ताजा रिपोर्ट और खुफिया इनपुट्स के आधार पर लिए गए इस फैसले में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को बड़ा झटका लगा है। सरकार ने तेजस्वी की सुरक्षा घटा दी है, वहीं भाजपा और केन्द्र सरकार के कई मंत्रियों का सुरक्षा घेरा पहले से अधिक मजबूत कर दिया गया है।

सुरक्षा समिति की सिफारिश के बाद बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की सुरक्षा कम कर दी

- **भाजपा व जद यू के कई वरिष्ठ नेताओं को ज़ैड सुरक्षा दी गई है, वहीं विपक्ष के कई नेताओं की सुरक्षा घटा दी गई है।**

गई है। अब तक उन्हें 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा दी जा रही थी, जिसे घटाकर अब 'वाय प्लस' कर दिया गया है। इसके साथ ही, तीन अन्य वरिष्ठ नेताओं मदन मोहन झा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी और राजेश राम की सुरक्षा पूरी तरह से वापस ले ली गई है। एक ओर जहाँ विपक्ष की सुरक्षा में कटौती हुई है, वहीं सत्ता पक्ष के कई रसूखदार चेहरों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। भाजपा के राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और बिहार सरकार के मंत्रियों को अब और भी कड़े सुरक्षा घेरे में रखा जाएगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, केन्द्रीय मंत्री लल्लन सिंह, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी को अब जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। इन्हें वाई से बढ़ ाकर वाई प्लस और फिर सुरक्षा मानकों के अनुरूप अपग्रेड किया गया है।

ट्रंप की टैरिफ बढ़ाने की धमकियां नाकामयाब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और ही कहानी कहते हैं। यह सोच-समझकर उठाया कदम नहीं, बल्कि मजबूरी में किया गया फैसला था।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प का दांव उनकी चरम तक जाने की चिरपरिचित शैली का उदाहरण था। अमेरिका के ग्रीनलैंड पर नियंत्रण की बात उन्होंने सार्वजनिक रूप से उछाली, कभी अस्पष्ट, कभी भड़काने वाले अंदाज़ में उन्होंने अटलांटिक पार संबंधों में अनिश्चितता पैदा कर दी। भले ही बाद में उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अमेरिका बल प्रयोग नहीं करेगा, लेकिन उनका यह दावा कि "ग्रीनलैंड की रक्षा केवल अमेरिका ही कर सकता है", डेनमार्क और यूरोप की संप्रभुता पर अमेरिकी वर्चस्व की एकतरफा घोषणा जैसा था।

यूरोप की प्रतिक्रिया आक्रोश से भरी थी, पर वे इसका हल चाहते थे। डेनमार्क ने ट्रंप के विचार को सिरे से खारिज कर दिया, यूरोपीय संघ ने चुपचाप लेकिन सख़्ती से कदम उठाया तथा वॉशिंगटन के साथ व्यापार समझौते के क्रियान्वयन को रोक दिया। नाटो सहयोगी इस सिद्धांत पर एकजुट हो गए कि आर्कटिक सुरक्षा किसी एक शक्ति द्वारा तय नहीं की जा सकती, चाहे वह कितनी ही प्रभावशाली क्यों न हो। यूरोप को झुकाने के लिए दी गई ट्रम्प की टैरिफ धमकियाँ भी इस एकता को तोड़ने में नाकाम रहीं।

नतीजतन कूटनीति के नाम पर उन्हें यू-टर्न लेना पड़ा। वास्तविक समझौते के बजाय भविष्य के समझौते का ढांचा घोषित करके ट्रम्प ने प्रभावी रूप से मानक नीचे कर दिया। टैरिफ इसलिए निलंबित नहीं हुए कि यूरोप ने ग्रीनलैंड पर कोई रियायत दी, बल्कि इसलिए कि टकराव एक बंद गली में पहुँच चुका था। इस ढांचे ने ट्रम्प को प्रगति का दावा करने का अवसर दिया वो भी बिना स्वामित्व, सैन्य ठिकानों या औपचारिक नियंत्रण के, सिर्फ नाटो के मौजूदा ढांचे के तहत अस्पष्ट सहयोग के साथ।

दावोस में ट्रम्प का एक घंटे का भाषण प्रभुत्व दिखाने के लिए था, लेकिन उसने उनके रुख के अंतर्विरोधों को और उजागर कर दिया। उन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध में अमेरिकी भूमिका का हवाला देकर डेनमार्क को "कृतघ्न" कहा और आज के दावों को सही ठहराने के लिए ऐतिहासिक शिकायतों का हवाला दिया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अमेरिका ग्रीनलैंड को सिर्फ सुरक्षा के लिए चाहता है, खनिजों के लिए नहीं, जबकि उनकी सरकार अन्य जगहों पर संसाधन-राष्ट्रवाद का समर्थन करती रही है।

सबसे उल्लेखनीय यह कि उन्होंने फिर दोहराया कि अमेरिका को नाटो से "कुछ भी नहीं मिलता", सिवाय यूरोप की रक्षा का बोझ उठाने के। यह तर्क, जो उनके पहले कार्यकाल में भी था। पर अब और भी खोखला लगता है। अगर नाटो से अमेरिका को कुछ नहीं मिलता, तो आर्कटिक सुरक्षा पर उसके महासचिव के जरिए बातचीत क्यों? नाटो-प्रायोजित ढांचे की ज़रूरत ही क्यों?

क्योंकि एकतरफावाद के पास कोई रास्ता नहीं बचा था।

ट्रम्प ने संबोधन दावोस के श्रोताओं में "दोस्तों" और "कुछ छिपे दुश्मनों" पर मज़ाक किया। लेकिन हँसी के पीछे असहजता छिपी थी। यूरोपीय नेताओं ने किसी माहिर सौदेबाज़ को नहीं, बल्कि ऐसे राष्ट्रपति को देखा, जिसे सामूहिक प्रतिरोध मज़बूत होते ही धमकियों से पीछे हटना पड़ा।

ग्रीनलैंड प्रकरण में ट्रम्प की मिसाइल रक्षा को लेकर फिर से उभरी दीवानगा, खासकर उनके प्रस्तावित गोल्डन डोम एंटी-मिसाइल शील्ड पर भी रोशनी डालता है। रूस के निकट होना, रडार की क्षमता और आर्कटिक पहुँच, ग्रीनलैंड की रणनीतिक भौगोलिक स्थिति इस सोच में फिट बैठती है। लेकिन यहाँ भी ट्रम्प ने हद से ज़्यादा दांव खेला।

ग्रीनलैंड को लगभग पूरी तरह अमेरिकी सुरक्षा दृष्टिकोण से परिभाषित करके ट्रम्प ने डेनमार्क, यूरोपीय यूनियन और यहाँ तक कि ग्रीनलैंड की स्वायत्त सरकार के हितों को भी हाशिये पर डाल दिया। यह रवैया उनके घरेलू समर्थकों को भा सकता है, लेकिन विदेशों में वैधता को कमज़ोर करता है। आर्कटिक की सुरक्षा संरचनाएँ स्वभावतः बहुपक्षीय हैं, इसके विपरीत दिखावा करना केवल विरोध को मज़बूत करता है।

असल में, ट्रम्प ने रणनीतिक चिंता को क्षेत्रीय दबाव में बदलने की कोशिश की और पाया कि सहयोगियों की भी अपनी सीमाएँ होती हैं।

ट्रम्प बेनकाब हुए हैं? लेंकिन न तो घातक रूप से और न ही अपरिवर्तनीय रूप से। ट्रम्प तीन तरह से बेनकाब हुए हैं।

पहला, वे एक ऐसे ब्लफ़र के रूप में उजागर हुए हैं जिनकी धमकियों को विश्वसनीय बनाए रखने के लिए लगातार बढ़ती आक्रामकता चाहिए। जब टैरिफ अस्थिर हो गए और कूटनीतिक अलगाव का खतरा मंडराने लगा, तो उन्हें ठोस जीत के बजाय प्रतीकात्मक ढांचे पर संतोष करना पड़ा।

दूसरा, वे उन संस्थानों पर निर्भर दिखे, जिन्हें वे सार्वजनिक रूप से तिरस्कृत करते हैं। वर्षों तक नाटो की आलोचना के बाद उसी पर उनकी निर्भरता एक संरचनात्मक सच्चाई को उजागर करती है: अमेरिकी शक्ति गठबंधनों के जरिए बढ़ती है, उनके बिना नहीं।

तीसरा, संप्रभुता के मामलों में लेन-देन आधारित कूटनीति की सीमाएँ उजागर हुईं। यूरोप व्यापार शर्तों पर बातचीत कर सकता है, पर दबाव में क्षेत्र नहीं सौंपेगा।

फिर भी, ट्रम्प ने जीवित रहने की राजनीतिक प्रवृत्ति भी दिखाई। स्थायी टूट से पहले पीछे हटकर उन्होंने एक गहरे अटलांटिक संकट से बचाव कर लिया। उनका समर्थक वर्ग इसे चुनौती के रूप में सुनेगा; बाज़ार स्थिरता के रूप में, सहयोगी एक चेतावनी, लेकिन साथ में राहते के रूप में।

ग्रीनलैंड पर यू-टर्न सिर्फ आर्कटिक की ज़मीन के बारे में नहीं है बल्कि यह ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल की एक व्यापक सच्चाई को दर्शाता है कि बयानबाज़ी और वास्तविकता के बीच की खाई सिमट रही है। दुनिया अब ज़्यादा तैयार, ज़्यादा संगठित है और पहले की तुलना में इसे ज्यादा डराया नहीं जा सकता।

खासतौर पर यूरोप ने सीख लिया है कि संयम और एकता का मेल दबाव को निष्प्रभावी कर सकता है। ट्रम्प भले ही झटकों और तमाशे से एजेंडा तय करते रहें, लेकिन नतीजे अब अधिकतर बातचीत से, कमज़ोर होकर या टलकर सामने आएँगे।

इस अर्थ में, यह प्रकरण हार से ज़्यादा एक खुलासा है। यह दिखाता है कि ट्रम्प कैसे काम करते हैं और वे कितनी दूर तक जा सकते हैं। ग्रीनलैंड ताकत का प्रदर्शन होना था, लेकिन अंततः यह सीमाओं का अध्ययन बन गया।

और उस राष्ट्रपति के लिए, जो असीमित दबाव की धारणा पर फलता-फूलता है, इससे ज़्यादा असहज खुलासा शायद कोई और नहीं।

मध्य प्रदेश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हिंदू समुदाय भोजशाला, 11वीं शताब्दी के इस स्मारक, को वाग्देवी (देवी सरस्वती) को समर्पित मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहता है।

2003 के ए एस आई आदेश के अनुसार, मुसलमानों को इस स्थल पर शुक्रवार दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक जुमा की नमाज़ अदा करने की अनुमति है, जबकि हिंदुओं को बसंत पंचमी पर पारंपरिक अनुष्ठान करने और प्रत्येक मंगलवार को विशेष प्रवेश का अधिकार दिया गया है।

लेकिन, इस आदेश में उन वर्षों के लिए कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं की गई है, जब बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ती हो। और 23 जनवरी ऐसा केवल चौथा अवसर है, इससे पहले यह संयोग 2006, 2013 और 2016 में हुआ था।

बसंत पंचमी से पहले धार में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

मध्य प्रदेश के इस जिले में केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स सहित लगभग 8,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

पुलिस पैदल और वाहन गश्त कर रही है और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भी निगरानी रखी जा रही है।

इसके अलावा, पूरे शहर में सोशल मीडिया गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है।

आयरन फैक्ट्री में भयानक विस्फोट, 6 मजदूरों की मौत

बलौदाबाजार, 22 जनवरी। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में स्थित एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस घटना में कम से कम 6 मजदूरों की मौत हो गई है और 10 से अधिक मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं।

ये घटना भाटापारा क्षेत्र में स्थित प्राइवेट इस्पात स्पंज आयरन फैक्ट्री में

- **छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में हुए हादसे में भयानक विस्फोट के बाद फैक्ट्री में आग लग गई। हादसे में दस मजदूरों के घायल होने की भी खबर है।**

हुई है। आज (गुरुवार) सुबह लगभग 10 बजे फैक्ट्री में जोरदार विस्फोट हुआ, जिसके बाद फैक्ट्री में आग की लपटें उठने लगीं। कुछ ही देर में पूरी फैक्ट्री आग की चपेट में आ गई और कई मजदूर इस आग में झुलस गए। फैक्ट्री के स्पंज आयरन प्लांट के कोल कीलन में विस्फोट से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। फैक्ट्री में आग लगने से चारों तरफ चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, विस्फोट इतना भयानक था कि आसपास काम कर रहे लोगों को संभलने तक का मौका तक नहीं मिला।

गवर्नर व राज्य सरकार के मतभेद पहले कभी-कभी सार्वजनिक होते थे

पर, अब, यह लगभग रोजमर्रा की घटना हो गई है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जनवरी। गैर-भाजपा शासित राज्यों में राज्यपाल ऐसे किरदार निभाते नज़र आ रहे हैं, जिन्हें परंपरागत रूप से विपक्षी नेताओं से जोड़ा जाता रहा है। इन घटनाक्रमों पर नज़र डालिए, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत आज राज्य विधान परिषद के संयुक्त सत्र को संबोधित किए बिना ही विधानसभा से बाहर चले गए। उनकी मांग थी कि मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत अभिभाषण के पाठ में शामिल केन्द्र सरकार की आलोचना करने वाले ग्यारह पैराग्राफ हटाए जाएँ।

दो दिन पहले, तमिलनाडु के राज्यपाल आर. एन. रवि ने भी मंत्रिमंडल द्वारा तैयार किए गए अभिभाषण में "तथ्यात्मक त्रुटियों और अप्रमाणित दावों" का हवाला देते हुए, बिना संबोधन दिए सदन से वॉकआउट किया था। इसी प्रकार 20 जनवरी को ही केरल के राज्यपाल राजेन्द्र आर्लेकर ने मंत्रिमंडल-स्वीकृत नीति भाषण के कुछ हिस्सों, विशेष रूप से केन्द्र सरकार की आलोचना करने वाले अंशों, को नहीं पढ़ा और कथित तौर पर पिनारायी विजयन सरकार की मंजूरी के बिना, कुछ बिंदु जोड़ दिए।

- **प.बंगाल की राज्यपाल पद्मजा नायडू ने 1965 में विधानसभा से वाक् आउट किया तथा 1957 में राजस्थान के तत्कालिक राज्यपाल ने सरकार द्वारा उनको विधानसभा में पढ़ने के लिए दिए गए भाषण के कुछ अंश नहीं पढ़े थे।**
- **पर, यह बात अब अनहोनी नहीं रह गई। हाल ही में कर्नाटक के राज्यपाल थावर चन्द गहलोत ने विधानसभा से "वाक् आउट" किया, बिना अपना भाषण पढे। उनकी मांग थी कि राज्यपाल के भाषण से उन ग्यारह अनुच्छेदों को हटा देना चाहिए, जो केन्द्रीय सरकार की निंदा कर रहे हैं।**
- **इस घटना के दो दिन पहले तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने भी ऐसा ही "वाक् आउट" किया। उन्होंने भाषण में मौजूद "अशुद्धियोंक व अप्रमाणित दावे" पर आपत्ति जताई। ऐसी ही घटना केरल में बीस जनवरी को हुई, जब राज्यपाल राजेन्द्र आरलेकर ने, मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत सरकारी नीति प्रतिपादित करने वाले भाषण में केन्द्रीय सरकार की निंदा करने वाले अंश पढ़ने से इंकार कर दिया तथा उक्त भाषण में कुछ अंश अपनी ओर से जोड़ दिए। वर्ष 2024 में केरल के तत्कालीन गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान ने भी ऐसा ही किया था। वर्ष 2021-2022 में बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनकड़ ने भी अपने भाषण में, जो राज्य सरकार ने उन्हें पढ़ने के लिए दिया था, केवल एक वाक्य पढ़कर अपनी जिम्मेवारी पूरी की थी।**
- **इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने नबम रेबिया के मामले में स्पष्ट व्यवस्था दी थी कि राज्यपाल अपनी सोच व मत का इस्तेमाल नहीं कर सकते ऐसे मामले में, उन्हें वो ही भाषण पढ़ना चाहिए जो राज्य मंत्रिमंडल तैयार करके देता है।**

हालाँकि शुरुआती वर्षों में निर्वाचित सरकारों और राज्यपालों के बीच छोटे-मोटे टकराव होते थे, लेकिन हाल के वर्षों में ऐसे टकराव लगातार बढ़ते जा रहे हैं। 2024 में आरिफ मोहम्मद खान ने 61 पन्नों के अभिभाषण में से केवल पहला और आख़िरी अनुच्छेद ही पढ़ा था। पश्चिम बंगाल में, 2021-22 के दौरान राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने विधानसभा में अपने भाषण बार-बार बीच में ही समाप्त कर दिए थे, एक बार तो उन्होंने 25 पन्नों के भाषण की जगह केवल एक वाक्य ही पढ़ा।

ऐसे पुराने उदाहरण भी मौजूद हैं,1965 में पश्चिम बंगाल की राज्यपाल पद्मजा नायडू विधानसभा से वॉकआउट कर गई थीं। वर्ष 1967 में राजस्थान के एक राज्यपाल ने अपने भाषण के कुछ हिस्से छोड़ दिए थे।

जहाँ विपक्ष द्वारा किये गये वॉकआउट राजनीतिक संकेत माने जाते हैं, वहीं राज्यपालों द्वारा उठाया गया ऐसा कदम संवैधानिक विचलन (कॉन्स्टीट्यूशनल रप्चर्स) के रूप में देखा जा सकता है। संवैधानिक विशेषज्ञों को चिंता है कि राज्यपालों का यह रवैया, जो कभी बहुत कम नज़र आता था, अब धीरे-धीरे एक स्वीकृत चलन और आम घटना बनता जा रहा है।

इसलिए सवाल उठता है: क्या राज्यपाल विधानसभा में दिए जाने वाले भाषणों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं? इस संदर्भ में अक्सर 2016 के नबाम रेबिया मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया जाता है। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि राज्यपाल अपने संवैधानिक दायित्वों का उपयोग कर निर्वाचित सरकारों को दरकिनार नहीं कर सकते। अदालत ने यह भी कहा था कि राज्यपाल अपने विवेक का प्रयोग नहीं कर सकते और उन्हें मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के अनुसार ही कार्य करना चाहिए।

'एआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तात्कालिकता समन्वित नीतियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की मांग करती है। बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के बीच, गेट्स ने भारत-अमेरिका साझेदारी को बदलते वैश्विक परिदृश्य में कुछ गिने-चुने भरोसेमंद आधारों में से एक बताया।

उन्होंने बताया, मुझे लगता है कि "अमेरिका और भारत के बीच मज़बूत संबंध की तर्कसंगतता अंततः हावी होगी।"

उन्होंने भारत के डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा एआई को तेज़ी से अपनाने की क्षमता को इसकी प्रमुख ताकत बताया।

ग्रोथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बुनियादी मजबूती में विश्वास को दर्शाता है।

साथ ही, उद्योग जगत सरकार के राजकोषीय समेकन (फिस्कल कन्सॉलिडेशन) के मार्ग के साथ भी सहमत दिखाई देता है। लगभग 42 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी के 4.4 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है, जिससे यह संकेत मिलता है कि विकास को समर्थन देने वाले उपायों के साथ-साथ वित्तीय अनुशासन पर भी भरोसा कायम है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

Hero

Hero WORLD'S NUMBER 1 MOTORCYCLE & SCOOTER COMPANY FOR 25 YEARS IN A ROW

WELCOME THE BLOCKBUSTER RANGE OF Destini 125

एक्स-शोरूम कीमत ₹73000~ से शुरू | ब्याज दर 6.99%^ से शुरू | ई.एम.आई. ₹1999/-^ से शुरू | डाउन पेमेंट ₹8999/-^ से शुरू | 0 प्रोसेसिंग फीस एडवांस ई.एम.आई. डॉक्यूमेंटेशन चार्ज

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक HDFC BANK FESTIVE TREATS क्रेडिट कार्ड Powered by pine labs

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY *Conditions apply

Hero GoodLife

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. *Based on internal testing of 110cc scooters and on the testing report of govt Certified agency. ~Ex-Showroom Price of Destini110 in Rajasthan. ^T&C apply.

TOLL FREE NO. 1800 266 0018

अधिकृत डीलर : बीकानेर: राजाराम धारणिया हीरो, गोगा गेट सर्किल के पास, 9289922708 करण हीरो, म्यूजियम सर्किल के पास, 9289922528, राजाराम धारणिया ऑटोमोबाईल्स एक्सटेंशन काउंटर : अनाज मण्डी गेट के सामने 7229822929, 8048243279, वाटर वर्क्स के सामने, कालू रोड, लूणकरणसर, 8000294880, श्री गंगानगर रोड, 7428598938, एसोशिएट डीलर: बीकानेर: ब्रज ऑटोव्हील्स : एनएच 15, चुंगी चौकी के पास, जैसलमेर रोड, 9782400101, राज ऑटोमोबाइल्स (श्री डुंगरगढ़) 9414528983, अर्जुनसर स्टेशन: सिद्धि विनायक ऑटोमोबाइल्स, 8890636258, बज्जू: खीचड़ मोटर्स, 9468939229, कातर छोटी: लिम्बा मोटर्स, 9782151100, सांडवा: बेनीवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414422944, नोखा: धारणियाँ मोटर्स, 7428049134 (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बीकानेर: राजाराम धारणिया हीरो, सुभाष पेट्रोल पंप के सामने जयपुर रोड, बीकानेर, 7300056081.